हकेवि के विद्यार्थियों का शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के फार्मास्युटिकल साइंसेज

विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शोध पत्र एल्सेवियर प्रकाशन के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल न्यूरोसाइंस एंड बायोबिहेवियरल रिव्यूज (इम्पैक्ट फैक्टर 9.05) में टारगेटिंग एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस यूजिंग नेचुरल प्रोडेक्ट इन न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर विषय पर प्रकाशित हुआ। यह शोध पत्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा के निर्देशन में तैयार किया गया। शोध पत्र में प्रमुख रूप से प्राकृतिक उत्पादों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग और शोध से जुड़े शिक्षकों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके कार्य की सराहना की। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड सांइसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व शोध अधिष्ठाता ने भी इस उपलब्धि के लिए विभाग की प्रशंसा की। इस शोध पत्र के संबंध में डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि प्राचीन काल से ही भारत में रोग उपचार हेतु जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है। इस प्रतिष्ठित पत्रिका शोध पत्र का प्रकाशन उल्लेखनीय है। शोध पत्र के संबंध में डॉ. अशोक जांगड़ा ने कहा कि हमारी प्रकृति औषधियों का एक समृद्ध स्रोत है। इस सिग्नलिंग मार्ग को लक्षित करने वाले प्राकृतिक उत्पाद तंत्रिका संबंधी रोगों के लिए नए चिकित्सीय मार्ग प्रदान कर सकते हैं।

हकेवि में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग ने किया आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आने वाले प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा न्यू एरियॉज ऑफ एप्लिकेशन्स इन प्रिंटिंग विषय पर केंद्रित एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए विभाग के शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि यह विषय अवश्य ही विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में जारी विभिन्न बदलावों को जानने-समझने में सहयोग प्रदान करेगा।

इस आयोजन में एआईएफएमपी के अध्यक्ष पी. चंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के विषयों पर सेमिनार का आयोजन इंडस्ट्री व एकेडमिया के बीच अंतसंबंध स्थापित कर बेहतर समन्वय में मददगार होता है। उन्होंने इस मौके पर प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के विषय में उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। इस मौके पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने नई तकनीक के विकास और इसमें उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं की जानकारी हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया। इस एक दिवसीय सेमिनार में उपस्थित तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. अंजन कुमार बराल ने द पावर ऑफ प्रिंट इन डिजिटल एज विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने संबोधन में तकनीकी विशिष्टता पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कराया। इसी तरह हितेंद्र कुमार, मैनेजर, साउथ ईस्ट एशिया ईस्टमेन कोडेक ने विभिन्न डिजिटल प्रिंटिंग तकनीकों पर अपना व्याख्यान दिया।

उन्होंने इस उद्योग के विस्तार पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा ने मुख्य अतिथि व वक्ताओं सहित आयोजन में मीडिया सहयोगी प्रिंट वीक के रामू रामनाथन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडू, शम्मी मेहरा, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि के विद्यार्थियों का शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शोध पत्र एल्सेवियर प्रकाशन के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल न्यूरोसाइंस एंड बायोबिहेवियरल रिव्यूज (इम्पैक्ट फैक्टर 9.05) में टारगेटिंग एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस यूजिंग नेचुरल प्रोडेक्ट इन न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर विषय पर प्रकाशित हुआ।

यह शोध पत्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सहायक आचार्य डॉ. अशोक जांगड़ा के निर्देशन में तैयार किया गया। शोध पत्र में प्रमुख रूप से प्राकृतिक उत्पादों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग और शोध से जुड़े शिक्षकों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। डीन प्रो. नीलम सांगवान व शोध अधिष्ठाता ने भी इस उपलब्धि के लिए विभाग की प्रशंसा की। संवाद

शोध कार्यों में निरंतर आगे बढ़ रहे हकेंवि के विद्यार्थी

विद्यार्थियों का अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध पत्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के फार्मास्युटिकल साईसेज विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शोध पत्र एल्सेवियर प्रकाशन के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल जर्नल न्यूरोसाइंस एंड बायोबिहेवियरल रिव्यूज (इम्पेक्ट फेक्टर 9.05) में टारगेटिंग एंड्रोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस यूजिंग नेचुरल प्रोडेक्ट इन न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर विषय पर प्रकाशित हुआ। यह शोध पत्र विभाग के अध्यक्ष डा. दिनेश कुमार व सहायक आचार्य डा. अशोक जांगड़ा के निर्देशन में तैयार किया गया। शोध पत्र में प्रमुख रूप से प्राकृतिक उत्पादों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभाग और शोध से जुड़े शिक्षकों व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। शोध कार्यों में विद्यार्थी निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड सांइसेज की डीन प्रो. नीलम सांगवान व शोध अधिष्ठाता ने भी इस उपलब्धि के लिए विभाग की प्रशंसा की। इस शोध पत्र के संबंध में डा. दिनेश कुमार ने बताया कि प्राचीन काल से ही भारत में रोग उपचार के लिए जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ● हकेंवि

इस प्रतिष्ठित पत्रिका शोध पत्र का प्रकाशन उल्लेखनीय है। शोध पत्र के संबंध में डा. अशोक जांगड़ा ने कहा कि हमारी प्रकृति औषधियों का एक समृद्ध स्रोत है। इस सिग्नलिंग मार्ग को लक्षित करने वाले प्राकृतिक उत्पाद तंत्रिका संबंधी रोगों के लिए नए चिकित्सीय मार्ग प्रदान कर सकते हैं।

छात्रों के लिए मददगार साबित होगा सेमिनार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत आने वाले प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग द्वारा न्यू एरियाज आफ एप्लिकेशन्स इन प्रिंटिंग विषय पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए विभाग के शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि यह विषय अवश्य ही विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में जारी विभिन्न बदलावों को जानने-समझने में सहयोग प्रदान करेगा। इस आयोजन में एआइएफएमपी के अध्यक्ष पी चंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि इस तरह के विषयों पर सेमिनार का आयोजन इंडस्ट्री व एकेडमिया के बीच अंतर संबंध स्थापित कर बेहतर समन्वय में मददगार होता है। उन्होंने इस मौके पर प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी के विषय में उपलब्ध भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने नई तकनीक के विकास और इसमें उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं की जानकारी के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। इस एक दिवसीय सेमिनार में उपस्थित तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. अंजन कुमार बराल ने द पावर आफ प्रिंट इन डिजिटल एज विषय पर अपने विचार रखे। इसी तरह हितेंद्र कुमार, मैनेजर, साउथ ईस्ट एशिया इस्टमैन कोडेक ने विभिन्न डिजिटल प्रिंटिंग तकनीकों पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडू, शम्मी मेहरा, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में आयोजित सेमिनार के बाद विशेषज्ञ के साथ विद्यार्थी एवं शिक्षक ● सौ. प्रवक्ता

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग पर सेमिनार आयोजित

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग ने एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। एआईएफएमपी के अध्यक्ष पी. चंद्र ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने नई तकनीक के विकास और इसमें उपलब्ध रोजगार की जानकारी के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

epaper.dainiktribuneonline.com
दैनिक ट्रिब्यून Thu, 01 September 2022
https://epaper.dainiktribu

One Day Seminar organised in CUH

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: Department of Printing & Packaging Technology, School of Engineering & Technology, Central University of Haryana, Mahendergarh, organized one-day seminar on "New Areas of Applications in Printing" through the blended mode (Physical and virtual platform). Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University congratulated the faculty members and the students for conducting the seminar on a topic which is highly relevant in today's competitive world. Mr. P. Chander, President, AIFMP, Chief Guest of the seminar during his address stressed upon the value and importance of organizing seminar on such topics, to benefit the academia and print industry at large. He went on adding the future of printing and packaging, especially on the technology, application and innovative approaches on various areas. Prof. Phool Singh, Dean & HoD of the department blessed the program with the possible new technologies going to compliment printing and packaging industry in the coming years and indicated a meaningful career prospect to the students of the department. Prof. (Dr.) Anjan Kumar Baral, technical speaker of the seminar, presented a technical session on "The Power of Print in Digital Age", in the morning session. He stressed upon the uniqueness of print is analog, tangible and physical and Even when people thought the digital age would be the end of print, it fought back to become more creative, unique and important than ever. We like to touch, taste, smell and feel things, print does them all. He added that bringing print and digital together, which is the secrets behind growth and development of print in the recent times. Mr. Hitender Kumar, Manger, South East Asia (ESID), Eastman Kodak, other technical speaker of the seminar presented a technical session on "The Power of Print in Digital Age", in the afternoon session. He covered the different technologies qualified as digital printing techniques, focusing on electrophotography and inkjet systems. He added further, how the fastest growing industry like packaging is being influenced by modern digital print equipment. He stressed upon, how mass versioning and mass customization is taking the lead in packaging applications in the recent times. Mr. Sandeep Boora, Teacher Incharge of the department, thanked the Chief Guest, speakers, Mr. Ramu Ramanathan, PrintWeek, the media partner of the seminar, faculty members Mr. Anil Kundu, Mr. Shammi Mehra, Mr. Tarun Singh and Mr. Nishan Singh, University authority and students for their kind support and cooperation for making the seminar a grand success.

कुलपति ने किया न्यूट्रास्युटिकल्स : फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी व डॉ. गुलाब सिंह, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा संपादित पुस्तक न्यूट्रास्युटिकल्स : फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पोषक तत्वों और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किए हुए यह पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पोषण और अन्य संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक साबित होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. दिनेश कुमार; शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान; पोषण जीवविज्ञान के विभागाध्यक्ष, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा एवं प्रो. रंजन अनेजा भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीव विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी व डॉ. गुलाब सिंह, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा संपादित पुस्तक न्यूट्रास्युटिकल्सः फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पोषक तत्वों और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किए हुए यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक साबित होगी। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तक का किया विमोचन

पुस्तक न्यूट्रास्युटिकल्स का विमोचन करते प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाएं से चौथे) ● हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डा. अनिता कुमारी व डा. गुलाब सिंह, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा संपादित पुस्तक न्यूट्रास्युटिकल्स : फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पोषक तत्वों और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किए हुए यह पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पोषण और अन्य संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ पुस्तक साबित होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, शैक्षणिक अधिष्ठाता, प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता, प्रो. नीलम सांगवान; पोषण जीवविज्ञान के विभागाध्यक्ष, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा एवं प्रो. रंजन अनेजा भी मौजूद रहीं।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

नारनौल,1 सितम्बर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी व डॉ. गुलाब सिंह, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी, हिमाचल प्रदेश द्वारा संपादित पुस्तक 'न्यूट्रास्युटिकल्सः फूड एप्लिकेशन्स एंड हेल्थ बेनिफिट्स' का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पोषक तत्वों और कार्यात्मक खाद्य पदार्थों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किए हुए यह पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पोषण और अन्य संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में संदर्भ पुस्तक साबित होगी।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 02 September 2022
https://epaper.dainiktribun

"NUTRACEUTICALS: FOOD APPLICATIONS AND HEALTH BENEFITS" RELEASED BY PROF. TANKESHWAR KUMAR

NEW DELHI: The book published by nova science publishers, USA entitled Nutraceuticals: Food Applications and Health Benefits edited by Dr. Anita Kumari, Department of Nutrition biology, Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh and Dr. Gulab Singh, Maharaja Agrasen University, Baddi, Himachal Pradesh was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the Central University of Haryana. While complimenting the editors, Prof. Tankeshwar Kumar remarked that, this quality work covering different aspects of nutraceuticals and functional foods will prove to be a valuable reference book for graduate as well as post-graduate students in the field of nutrition and other allied sciences. On this occasion, Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Sunita Srivastava, Prof. Dinesh Kumar, Dean Academics; Prof. Neelam Sangwan, Dean and Dean Research; Prof. Kanti Prakash Sharma, Head, Dept. of Nutrition Biology; and Prof. Ranjan Aneja were also present to congratulate the editors.

10
में से नौ सर्वोच्च पर्वत शिखर मौजूद हैं हिमालय में। इनमें माउंट एवरेस्ट भी शामिल है।

चार
धर्मों की मान्यताएं जुड़ी हुई हैं कैलाश पर्वत से। इनमें हिंदू, बौद्ध, जैन और तिब्बती बोन धर्म के लोग शामिल हैं।

प्रकृति के पाठ

इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए

गढ़वाल स्थित गजाहेश्वर से हिमालय का दृश्य • जागरण आर्काइव

भारत के मुकुट के रूप में सुशोभित हिमालय देश का सीमा प्रहरी तो रहा ही है, इसकी अलौकिकता ने भी इसे दुनिया में अलग स्थान दिया है। यह हमारी लापरवाही का नतीजा है कि अब इसको सींचने वाली नदियां सूख रही हैं, वहीं पिघलते हिमखंड इसे कमजोर बना रहे हैं। दरअसल हमने हिमालय को समझने में पहाड़ जैसी चूक की है और यह हमारी नीतियों में भी स्पष्ट दिखाई देती है। हिमालय दिवस (नौ सितंबर) पर डा. अनिल प्रकाश जोशी का आलेख...

दुनिया की सभी पर्वत शृंखलाओं में हिमालय सबसे युवा है और इसके पीछे इसके निर्माण की अवधि है। दुनिया में अन्य पर्वत शृंखलाएं ज्वालामुखियों की देन रहीं। इनमें अल्पाइन और एंडीज विशेष तौर पर शामिल हैं, लेकिन हिमालय का जन्म समुद्र के गर्भ से दो बड़ी प्लेटों के टकराने के कारण हुआ। यह मात्र 50 करोड़ वर्ष पुराना है और अभी भी पांच मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रहा है। युवा होने के बावजूद दुनिया की 10 प्रमुख चोटियों की गिनती में हिमालय सर्वोच्च है जहां माउंट एवरेस्ट भी स्थित है। हिमालय का अपना स्थान इसलिए भी अद्भुत है क्योंकि दुनिया की पूरी पारिस्थितिकी का नियंत्रण करने वाले अंटार्कटिका और आर्कटिक ध्रुवों की तर्ज में हिमालय को तीसरे ध्रुव के रूप में जाना जाता है। इसको ऐसी संज्ञा देने के पीछे इसका एशिया का वाटर टावर होने के अलावा दो अरब लोगों से सीधा जुड़ाव है। यह एशिया के एक बहुत बड़े भूतंत्र की पारिस्थितिकी को नियंत्रित करता है।

हर दिन बिगड़ते हालात से संकट में है हिमालय क्षेत्र की रौनक • जागरण आर्काइव

जीवन का आधार स्तंभ

इसको हिंदू कुश हिमालय भी कहा जाता है। कुश का मतलब है जहां से खुशियां चलती हैं। अपने देश में हवा, मिट्टी, जंगल, पानी के सारे सवाल कहीं न कहीं हिमालय से ही जुड़े हैं। शुरुआत में जब हिमालय अपने को साध रहा था तो कैलाश मानसरोवर से पूर्व की तरफ ब्रह्मपुत्र ने और पश्चिम की तरफ सिंधु ने नदियों के जाल बनाकर हिमालय को सींचा। यह भी स्पष्ट है कि यह नदियां ही थी, जहां से सभ्यताएं और संस्कृति पनपी। हिमालय के आर्थिक उपकार देश के ज्यादातर राज्यों में दिखाई देते हैं। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्यों की खेती-बाड़ी की जीवनरेखा हिमालय की नदियां हैं। हिमालय मात्र आर्थिकी और पारिस्थितिकी का ही केंद्र नहीं, बल्कि साधु-संतों ने इसको अध्यात्म का केंद्र भी माना। तपस्वी भूमि हिमालय देश को अध्यात्म के प्रति भी आकर्षित करता रहा। शांति का प्रतीक हिमालय ही वेद अरण्य संस्कृति का जनक भी रहा है।

तो डोल जाएगा जनजीवन

दरअसल, हिमालय से मात्र जनजीवन ही नहीं जुड़ा, बल्कि देश की अस्मिता भी जुड़ी है। हिमालय की महिमा कुछ इस तरह भी है कि यह मात्र स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं की ही भरपाई नहीं करता बल्कि देश का एक बड़ा भूभाग इसी की कृपा से पलता है। मोटे रूप में देश के सात मैदानी राज्यों की खेती-बाड़ी, प्रकृति-पर्यावरण हिमालय की देन है। इनमें देश की राजधानी से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल जैसे राज्य आते हैं। हिमालय की गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलज, झेलम जैसी नदियों ने इस देश का भूगोल तय किया, साथ में संपन्नता का आधार भी बनी हैं। इतना ही नहीं, हिमालय में होने वाली कोई भी हलचल दुनिया के 18 देशों और दो अरब लोगों को सीधा प्रभावित करती है। पिछले कुछ समय से हिमालय में यूरोप की तरह ही पर्यावरणीय छेड़छाड़ के दुष्परिणाम दिखने शुरू हो चुके हैं। यहां निरंतर होने वाली आपदाएं इसका सबसे बड़ा प्रमाण हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आइपीसीसी की रिपोर्ट भी बताती है कि आने वाले समय में दुनिया में हीट वेव्स इंडेक्स के बढ़ने के कारण सबसे बड़ा और प्रतिकूल प्रभाव हिमालय पर ही पड़ेगा। इन परिणामों की एक वजह यह भी है कि हिमालय के हालात बिगड़ते चले जा रहे हैं। यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। इससे एक तरफ जहां जनजीवन संकट में पड़ेगा वहीं दूसरी तरफ हिमालय के संसाधनों पर बड़ी चोट पहुंचेगी। यह भी स्पष्ट है कि देश की बड़ी हिमनदियां गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, सतलज, झेलम जो पूरे हिमालय को तर करती हैं, वे सब कहीं न कहीं संकट से घिर जाएंगी क्योंकि उनका आधार हिमखंडों के हालात पर निर्भर है जो अब तेजी से पिघल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए शोध ने यह खुलासा किया है कि वर्ष 2000 के बाद इन हिमखंडों की पिघलने की दर दोगुनी हो चुकी है।

अंतरिक्ष से आई है खतरनाक खबर

एक हालिया खबर बहुत भयभीत करने वाली है कि दुनिया के वे क्षेत्र जो अपनी शीत प्रवृत्ति के लिए जाने जाते थे, वे भी बढ़ती गर्मी से त्राहि त्राहि कर रहे हैं। खासतौर से यूरोप बढ़ते तापक्रम से व्यथित है। पुर्तगाल में 47 डिग्री सेंटीग्रेड और पूरे यूरोप में औसतन 41 डिग्री सेंटीग्रेड तापक्रम दुखद घटनाओं को जन्म दे रहा है। इसके कारण यहां कई लोग जीवन खो चुके हैं। साथ ही आग की बढ़ती घटनाएं जिस तरह से फ्रांस व स्पेन के वनों को लील रही हैं, वो भी तापक्रम बढ़ने का दूसरा परिणाम है। नासा की एक रपट भी इसी ओर ध्यान आकर्षित करती है कि यूरोप, अफ्रीका व पश्चिम एशिया, (जो अंतरिक्ष से शीत संकेत देते दिखते थे) वहां का तापक्रम सभी सीमाओं को तोड़ चुका है। इस अप्रत्याशित तापक्रम वृद्धि ने कई संकट खड़े कर दिए हैं। आने वाले समय में यह तापक्रम जंगलों को लील लेगा और नदियों को सुखा देगा।

दोतरफा नुकसान से कांप रहा हिमालय

बढ़ती गर्मी के कारण हिमालय के हिमखंड अब झीलों में परिवर्तित हो रहे हैं वहीं दूसरी तरफ एक अध्ययन के अनुसार, इन पिघलते हिमखंडों के कारण मीथेन गैस का उत्सर्जन भी हो रहा है। मतलब एक साथ दो तरह की पारिस्थितिकी मार हम सब पर पड़ने वाली है। हिमखंडों के पिघलने से जहां हम पानी का फिक्स डिपाजिट खो देंगे, वहीं समुद्र के व्यवहार बदल जाएंगे और उससे जुड़े छोटे-मोटे शहर भविष्य में डूब जाएंगे। दूसरी तरफ कार्बन डाइआक्साइड से चार गुना घातक मीथेन जैसी गैस से वायु में बढ़ते घनत्व के कारण तापक्रम में वृद्धि निश्चित है। इस परिवर्तन के पीछे बड़ा कारण ग्लोबल वार्मिंग रहा है। यह भी स्पष्ट है कि दुनिया में बढ़ती तपन के कारण क्लाइमेट चेंज जैसे बड़े दुष्परिणाम सामने आए हैं। इस बदलाव का पहला असर हिमालय में ही झलकता है। यही कारण है कि लगातार कुछ समय से हिमालय कई तरह की मुसीबतों से घिरा है। गर्मियों में जहां इसे वनों की आग लीलती है, वहीं मानसून में अतिवृष्टि यहां जीवन को छिन्न-भिन्न कर देती है। हर वर्ष की ये घटनाएं हिमालय के विकास को पीछे धकेल देती हैं।

विशिष्ट पहल से बचेगी विरासत

ऐसे में हिमालय के प्रति एक नई नीति की पहल होनी चाहिए। मात्र राज्यों में हिमालय को बांटकर हम आज तक कोई संरक्षण भी नहीं कर सके। सच तो यह है कि पिछले 100 साल में हिमालय में होने वाले बदलाव हमारे संज्ञान में ही नहीं हैं और न ही उसका कोई लेखा-जोखा हमारे पास है। अगर ऐसा कोई अध्ययन होता तो शायद हम सतर्क हो पाते और आने वाली समस्या से हिमालय की सुरक्षा पर व्यावहारिक कदम उठाते। हिमालय को राज्य का दर्जा दिया जाना मात्र इसका समाधान नहीं, बल्कि हिमालय की नीतियां और ढांचा कुछ अलग होने की आवश्यकता है। इसकी पारिस्थितिकी को समझते हुए यहां के विकास के ढांचे के प्रति गंभीरता दिखाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। इन सबके बावजूद हिमालय हमारे साथ है और किसी न किसी रूप में अनवरत सेवा में जुटा है।

अभी भी हिमालय देश-दुनिया की सेवा में उस निम्न स्तर पर नहीं पहुंचा जिसे हम दूर नहीं कर सकते हों, लेकिन यह भी अस्वीकार नहीं कर सकते कि हिमालय आज वैसा स्थिर नहीं है, जैसा अपने जन्म के समय में था। यह सारे देश की विरासत है। इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि राष्ट्रीय स्तर पर हिमालय के लिए अलग से सोच पनपे। तब शायद हम हिमालय के प्रति उन नीतियों को स्थान दे पाएंगे, जिनसे संरक्षण जुड़ा है। इसके लिए हम हिमालय के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक दृष्टिकोण पर चिंतन करते हुए हिमालय के संरक्षण के प्रति चिंता करें। इसी सोच के चलते व इस के महत्व और संरक्षण पर चर्चा के लिए हिमालय दिवस की कल्पना की गई थी। तबसे लगातार हर वर्ष हिमालय को लेकर चिंतन की यह शृंखला देशभर को संदेश देने का एक ऐसा प्रयत्न रहा है जिसमें सबकी भागीदारी आवश्यक है। हिमालय को नमन करने का मतलब प्रभु व प्रकृति के प्रति आदर प्रकट करने जैसा ही होगा!

(लेखक पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात पर्यावरण कार्यकर्ता हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से संबोधन में जिस तरह से स्वाधीनता के 75 वर्ष का उल्लेख करते हुए देशवासियों द्वारा इस कालखंड में विभिन्न चुनौतियों के बीच अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत से जुड़े रहने का उल्लेख किया, उससे स्पष्ट है कि यह विरासत ही वह प्रेरणा पुंज है जो युवा पीढ़ी को नए भारत के निर्माण के लिए आवश्यक संकल्पों की सिद्धि में सहायक होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार का आलेख...

विश्व विरासत : यूनेस्को सूची में शामिल हंपी परिसर स्थित विट्ठल मंदिर, कर्नाटक • इमेजबाजार

शिक्षा का शिखर : स्थापत्य कला का भी अद्भुत नमूना था नालंदा विश्वविद्यालय • जागरण आर्काइव

विभाजन का दंश : भारत का गौरव तक्षशिला विश्वविद्यालय अब है पाकिस्तान में • जागरण आर्काइव

अमृत संकल्प

विरासत पर गर्व से विकास का शिखर

स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह के उद्बोधन में अमृत काल की परिकल्पना की और उसके लिए पांच संकल्प दिए। ये वे मंत्र हैं जो विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इन पांच प्रणों में विरासत पर गर्व का उल्लेख किया गया है। इसके निहितार्थ को समझें। हम सभी यह जानते हैं कि कोई भी देश तब तक विकास के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता, जब तक वो अपनी विरासत को सहेजना नहीं जानता। हम कौन हैं? हमारी मान्यताएं क्या हैं? हमारी कला-संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत ही वो माध्यम हैं, जो हमें इन सवालों के जवाब देती हैं व औरों से अलग पहचान दिलाती हैं। यही वो माध्यम है जो हमें पूर्वजों के ज्ञान को जानने-समझने और आत्मसात करते हुए भविष्य की चुनौतियों से लड़ने और उन पर विजय हासिल करने का बल प्रदान करती हैं।

विश्व का मार्ग कर रहे प्रशस्त

विरासत पर गर्व करने से पहले यह समझना होगा कि आखिरकार भारत की विरासत क्या है? यहां बात 100-200 साल के इतिहास की नहीं हो रही है। विषय महत्वपूर्ण है और प्रधानमंत्री मोदी के इस संकल्प का उद्देश्य उस बिंदु को समझने का है जो हमें भविष्य की ओर छलांग लगाने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ हमारे इतिहास या यूं कहें कि हमें हमारी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। भारतीय विरासत कई शताब्दियों पहले की है। यह विशाल है, प्रासंगिक है, और आज भी हमारे बीच जीवंत है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने ही विश्व को शून्य का ज्ञान दिया। चिकित्सा की बात करें तो ऋषि सुश्रुत व चरक की तमाम संहिताएं भारत की ही देन हैं। अध्ययन-अध्यापन के मोर्चे पर तक्षशिला, नालंदा भारत में ही स्थापित ज्ञान के केंद्र रहे। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे समक्ष उपलब्ध हैं जो हमें भारतीय विरासत पर गर्व का अनुभव कराते हैं। आज भारत जब सुपरपावर बनने की दिशा में अग्रसर है तो अवश्य ही हमें अपनी उस विरासत को संजोने, संरक्षित करने की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा, जिसके बूते आज हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। हरियाणा राज्य की ही बात करें तो यह वह पावन भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। आज गीता के ज्ञान को समूचा विश्व स्वीकारता है और अपना रहा है। देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में इससे जुड़े अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य हो रहे हैं। भारतभूमि की विरासत में ऐसे अनेक गूढ़ सत्य विद्यमान हैं जो न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व की प्रगति, विकास और मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

तथ्यों की हो स्पष्टता

विरासत पर गर्व करने के साथ-साथ इसे सुरक्षित, संरक्षित व इसकी प्रामाणिकता और तथ्यपरक पक्षों को जनमानस के बीच पहुंचाने की भी आवश्यकता है। इसे हम ऐसे भी समझ सकते हैं कि भारतीय इतिहास में एक थ्योरी लगातार प्रचारित-प्रसारित की गई कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और वे यहां के मूल निवासी नहीं थे। जबकि पुरातत्वविद, डेक्कन डीम्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एडजंट फैकल्टी (अनुबद्ध संकाय) प्रो. बसंत शिंदे का शोध कहता है कि भारत में जो विकास हुआ, वो यहीं के निवासियों द्वारा किया गया। राखीगढ़ी, हरियाणा में खुदाई के बाद 5,000 साल पुराने एक महिला के कंकाल के डीएनए के अध्ययन से प्रो. शिंदे ने यह साबित किया है कि हड़प्पा कालीन लोग हमारे जैसे ही थे और हम उनके वंशज हैं। इससे यह थ्योरी पूरी तरह से गलत साबित हो जाती है कि आर्य बाहर से भारत आए थे और उन्होंने हमारी सभ्यता का विकास किया था। इस तरह से विरासत पर गर्व और उसकी तथ्यपरक, प्रामाणिकता आधारित समझ बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से विरासत पर गर्व को प्रस्तुत संकल्प का उद्देश्य कुछ इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे ही तथ्यों का नतीजा है कि स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के बाद अमृत काल की ओर बढ़ रहे भारत में इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

विकसित भारत का पूर्ण होगा स्वप्न

यह सच है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के कालखंड ने भारत के अंतर्मन और भारतीयों की भावनाओं को कई गहरे घाव दिए थे, इसके बावजूद हमारी जिजीविषा, जुनून और जोश का कम न होना उसी विरासत की देन है, जिसके बूते आज तक भारत की हस्ती बरकरार है। भारत अब नई चेतना, नई उमंग और नए विश्वास के साथ अपने अतीत को सहेजते हुए भविष्य की ओर बढ़ रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देखें तो उसमें भारतीयता, भारतीय भाषाओं में शिक्षा, कौशल विकास, शोध, अनुसंधान, नवाचार और अपनी विरासत पर गर्व का भाव कूट-कूटकर भरा हुआ है। स्वतंत्र भारत की यह पहली ऐसी शिक्षा नीति है जो पूरी तरह से भारतीय संकल्पों, भारतीयता के भाव और भारतीय सोच के साथ भारत को विकसित देश बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। रास्ता लंबा है और इसमें हर कदम पर चुनौतियां हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि भारत ने सदैव चुनौतियों से पार पाते हुए विश्व को राह दिखाई है। यह भारत देश ही है जो कि वसुधैव कुटुंबकम् की बात करता है। एक सच्चा नागरिक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपने प्रधानमंत्री, जो स्वयं प्रधानसेवक के रूप में देश की प्रगति के लिए अनवरत प्रयासरत हैं, द्वारा दिए गए संकल्पों को अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत, विश्वगुरु भारत, समृद्ध भारत, सुपर पावर भारत, सशक्त भारत के लिए जारी प्रयासों में योगदान दें। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हमें हमारी विरासत से प्रेम और उस पर गर्व करते हुए आगे बढ़ना होगा।

प्राप्त हुए हैं असाध्य लक्ष्य

जहां तक सफलता की बात है तो इतिहास गवाह है कि भारत ने सदैव विश्व समुदाय का भविष्य की राह दिखाई और आज भी उसी जज्बे के साथ मानवता की भलाई हेतु प्रयासरत है। योग भारतीय पुरातन संस्कृति का ऐसा ही प्रमाण है जो कई वर्षों से भारत की आत्मा में रचा-बसा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि भारतीय योग की महत्ता को आज समूचा विश्व स्वीकार करते हुए, उसे अपना रहा है। संपूर्ण विश्व भी आज इस बात को समझता है कि भारत भूमि और इसके लोग ही हैं जो अपनी क्षमताओं के सहारे असाध्य लक्ष्यों को प्राप्त करने का दम रखते हैं। वर्तमान भारत की मिट्टी में वो ताकत है, वो सामर्थ्य है, जिसके बूते हम सदियों से अपनी पहचान को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। विरासत पर गर्व का यही भाव हमें विश्वपटल पर विकसित राष्ट्र के मुकाम पर स्थापित करने में मददगार साबित होगा।

(लेखक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से संबोधन में जिस तरह से स्वाधीनता के 75 वर्ष का उल्लेख करते हुए देशवासियों द्वारा इस कालखंड में विभिन्न चुनौतियों के बीच अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत से जुड़े रहने का उल्लेख किया, उससे स्पष्ट है कि यह विरासत ही वह प्रेरणा पुंज है जो युवा पीढ़ी को नए भारत के निर्माण के लिए आवश्यक संकल्पों की सिद्धि में सहायक होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार का आलेख...

विश्व विरासत : यूनेस्को सूची में शामिल हंपी परिसर स्थित विट्ठल मंदिर, कर्नाटक • इमेजेज बाजार

अमृत संकल्प

विरासत पर गर्व से विकास का शिखर

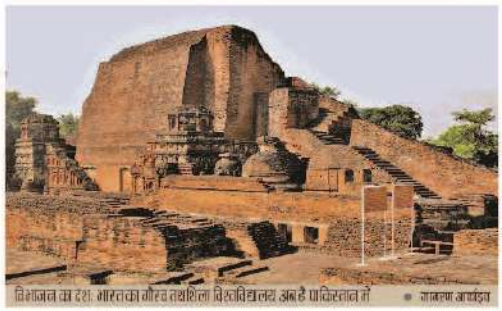

स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस समारोह के उद्बोधन में अमृत काल की परिकल्पना की और उसके लिए पांच संकल्प दिए। ये वे मंत्र हैं जो विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इन पांच प्रणों में विरासत पर गर्व का उल्लेख किया गया है। इसके निहितार्थ को समझें। हम सभी यह जानते हैं कि कोई भी देश तब तक विकास के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता, जब तक वो अपनी विरासत को सहेजना नहीं जानता। हम कौन हैं? हमारी मान्यताएं क्या हैं? हमारी कला-संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत ही वो माध्यम है, जो हमें इन सवालों के जवाब देती हैं व औरों से अलग पहचान दिलाती हैं। यही वो माध्यम है जो हमें पूर्वजों के ज्ञान को जानने-समझने और आत्मसात करते हुए भविष्य की चुनौतियों से लड़ने और उन पर विजय हासिल करने का बल प्रदान करती है।

विश्व का मार्ग कर रहे प्रशस्त

विरासत पर गर्व करने से पहले यह समझना होगा कि आखिरकार भारत की विरासत क्या है? यहां बात 100-200 साल के इतिहास की नहीं हो रही है। विषय महत्वपूर्ण है और प्रधानमंत्री मोदी के इस संकल्प का उद्देश्य उस बिंदु को समझने का है जो हमें भविष्य की ओर छलांग लगाने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ हमारे इतिहास या यूं कहें कि हमें हमारी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। भारतीय विरासत कई शताब्दियों पहले की है। यह विशाल है, प्रामाणिक है, और आज भी हमारे बीच जीवंत है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने ही विश्व को शून्य का ज्ञान दिया। चिकित्सा की बात करें तो ऋषि सुश्रुत व चरक की तमाम संहिताएं भारत की ही देन हैं। अध्ययन-अध्यापन के मोर्चे पर तक्षशिला, नालंदा भारत में ही स्थापित ज्ञान के केंद्र रहे। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे समक्ष उपलब्ध हैं जो हमें भारतीय विरासत पर गर्व का अनुभव कराते हैं। आज भारत जब सुपरपावर बनने की दिशा में अग्रसर है तो अवश्य ही हमें अपनी उस विरासत को संजोने, संरक्षित करने की ओर भी विशेष ध्यान देना होगा, जिसके बूते आज हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। हरियाणा राज्य की ही बात करें तो यह वह पावन भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। आज गीता के ज्ञान को समूचा विश्व स्वीकारता है और अपना रहा है। देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में इससे जुड़े अध्ययन-अध्यापन व शोध कार्य हो रहे हैं। भारतभूमि की विरासत में ऐसे अनेक गूढ़ सत्य विद्यमान हैं जो न सिर्फ भारत बल्कि समूचे विश्व की प्रगति, विकास और मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

तथ्यों की हो स्पष्टता

विरासत पर गर्व करने के साथ-साथ इसे सुरक्षित, संरक्षित व इसकी प्रामाणिकता और तथ्यपरक पक्षों को जनमानस के बीच पहुंचाने की भी आवश्यकता है। इसे हम ऐसे भी समझ सकते हैं कि भारतीय इतिहास में एक थ्योरी लगातार प्रचारित-प्रसारित की गई कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और वे यहां के मूल निवासी नहीं थे। जबकि पुरातत्वविद्, डेक्कन डीम्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एडजंट फैकल्टी (अनुबद्ध संकाय) प्रो. बसंत शिंदे का शोध कहता है कि भारत में जो विकास हुआ, वो यहीं के निवासियों द्वारा किया गया। राखीगढ़ी, हरियाणा में खुदाई के बाद 5,000 साल पुराने एक महिला के कंकाल के डीएनए के अध्ययन से प्रो. शिंदे ने यह साबित किया है कि हड़प्पाकालीन लोग हमारे जैसे ही थे और हम उनके वंशज हैं। इससे यह थ्योरी पूरी तरह से गलत साबित हो जाती है कि आर्य बाहर से भारत आए थे और उन्होंने हमारी सभ्यता का विकास किया था। इस तरह से विरासत पर गर्व और उसकी तथ्यपरक, प्रामाणिकता आधारित समझ बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से विरासत पर गर्व का प्रस्तुत संकल्प का उद्देश्य कुछ इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे ही तथ्यों का नतीजा है कि स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के बाद अमृत काल की ओर बढ़ रहे भारत में इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

विकसित भारत का पूर्ण होगा स्वप्न

यह सच है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के कालखंड ने भारत के अंतर्मन और भारतीयों की भावनाओं को कई गहरे घाव दिए थे, इसके बावजूद हमारी जिजीविषा, जुनून और जोश का कम न होना उसी विरासत की देन है, जिसके बूते आज तक भारत की हस्ती बरकरार है। भारत अब नई चेतना, नई उमंग और नए विश्वास के साथ अपने अतीत को सहेजते हुए भविष्य की ओर बढ़ रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देखें तो उसमें भारतीयता, भारतीय भाषाओं में शिक्षा, कौशल विकास, शोध, अनुसंधान, नवाचार और अपनी विरासत पर गर्व का भाव कूट-कूटकर भरा हुआ है। स्वतंत्र भारत की यह पहली ऐसी शिक्षा नीति है जो पूरी तरह से भारतीय संकल्पों, भारतीयता के भाव और भारतीय सोच के साथ भारत को विकसित देश बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। रास्ता लंबा है और इसमें हर कदम पर चुनौतियां हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि भारत ने सदैव चुनौतियों से पार पाते हुए विश्व को राह दिखाई है। यह भारत देश ही है जो कि वसुधैव कुटुंबकम् की बात करता है। एक सच्चा नागरिक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपने प्रधानमंत्री, जो स्वयं प्रधानसेवक के रूप में देश की प्रगति के लिए अनवरत प्रयासरत हैं, द्वारा दिए गए संकल्पों को अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत, विश्वगुरु भारत, समृद्ध भारत, सुपर पावर भारत, सशक्त भारत के लिए जारी प्रयासों में योगदान दें। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हमें हमारी विरासत से प्रेम और उस पर गर्व करते हुए आगे बढ़ना होगा।

शिक्षा का शिखर : स्थापत्य कला का भी अद्भुत नमूना था नालंदा विश्वविद्यालय • जागरण आर्काइव

विभाजन का दंश : भारत का गौरव तक्षशिला विश्वविद्यालय अब है पाकिस्तान में • जागरण आर्काइव

प्राप्त हुए हैं असाध्य लक्ष्य

जहां तक सफलता की बात है तो इतिहास गवाह है कि भारत ने सदैव विश्व समुदाय को भविष्य की राह दिखाई और आज भी उसी जज्बे के साथ मानवता की भलाई हेतु प्रयासरत है। योग भारतीय व पुरातन संस्कृति का ऐसा ही प्रमाण है जो कई वर्षों से भारत की आत्मा में रचा-बसा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि भारतीय योग की महत्ता को आज समूचा विश्व स्वीकार करते हुए उसे अपना रहा है। संपूर्ण विश्व भी आज इस बात को समझता है कि भारत भूमि और इसके लोग ही हैं जो अपनी क्षमताओं के सहारे असाध्य लक्ष्यों को प्राप्त करने का दम रखते हैं। यकीनन भारत की मिट्टी में वो ताकत है, वो सामर्थ्य है, जिसके बूते हम सदियों से अपनी पहचान को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। विरासत पर गर्व का यही भाव हमें विश्वपटल पर विकसित राष्ट्र के मुकाम पर स्थापित करने में मददगार साबित होगा।

(लेखक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति हैं)

• • • • • • • • • •

EDUCATION NOTES

BOOK ON NUTRACEUTICALS RELEASED

Mahendragarh: The book "Nutraceuticals: Food Applications and Health Benefits", edited by Dr Anita Kumari of Department of Nutrition Biology at Central University of Haryana (CUH) and Dr Gulab Singh from Maharaja Agrasen University, Baddi, Himachal Pradesh, was released by Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH. Complimenting the editors, the VC remarked their quality work, covering various aspects of nutraceuticals and functional foods as a valuable reference book for graduate and postgraduate students in the field of nutrition.

The Tribune
Sat, 03 September 2022
https://epaper.tribuneindia.com

केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार शिक्षा रत्न अवार्ड से सम्मानित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को शिक्षा रत्न अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित हॉयर एजुकेशन कानक्लेव में रेवरी लेंग्वेज टेक्नोलॉजिज की ओर से उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया है। कुलपति के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास एवं शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय में लागू करने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। दिल्ली में आयोजित एक सम्मान समारोह में उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व

शिक्षा रत्न अवार्ड लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं गैर शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्वविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयास से इसे लागू करने में सफल रहा है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी है। कुलपति ने कहा है कि ऐसी सभी उपलब्धियां विश्वविद्यालय एक टीम के रूप में कार्य कर ही हासिल कर सकता है। विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा मिले इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार पिछले लगभग एक दशक से हरियाणा प्रदेश में उच्च शिक्षा को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भमिका निभा रहे हैं। इसके चलते ही उन्हें श्रेष्ठ कुलपति अवार्ड 2020, विद्यासागर अवार्ड 2017, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2016, एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड 2016 के साथ साथ अमेटी यूनिवर्सिटी की ओर से उन्हें विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है। वे पिछले 35 वर्षों से शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं।

रेवरी लेंग्वेज टेक्नोलॉजिज के सह-संस्थापक विवेकानंद पाणि ने कहा है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार निरंतर उल्लेखनीय प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सूचना तकनीकी व प्रौद्योगिकी विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलतम क्रियान्वयन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अन्य संस्थानों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रहा है। वे एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य करते हुए हरियाणा व देश के आने वाले भविष्य को एक नई दिशा देने का काम कर रहे हैं। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी है।

उपलब्धि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में रही प्रभावी भूमिका के लिए दिया गया अवॉर्ड

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार शिक्षा रत्न अवार्ड से सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को शिक्षा रत्न अवॉर्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित हॉयर एजुकेशन कानक्लेव में रेवरी लैंग्वेज टेक्नालाजी की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया है।

कुलपति के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास एवं शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय में लागू करने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। दिल्ली में आयोजित एक सम्मान समारोह में उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं गैर शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्वविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयास से इसे लागू करने में सफल रहा है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी है। ऐसी सभी उपलब्धियां विश्वविद्यालय एक टीम के रूप में कार्य कर ही हासिल कर सकता है। विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा मिले इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं।

अवॉर्ड लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पहले भी मिल चुके हैं अनेक सम्मान

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को इससे पहले भी कई सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें श्रेष्ठ कुलपति अवार्ड 2020, विद्यासागर अवार्ड 2017, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2016, एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड 2016 के साथ अमेटी यूनिवर्सिटी की ओर से उन्हें विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है। वे 35 वर्षों से शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। रेवरी लैंग्वेज टेक्नोलॉजिज के सह-संस्थापक विवेकानंद पाणि ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार निरंतर उल्लेखनीय प्रयास कर रहे हैं। सूचना तकनीकी व प्रौद्योगिकी विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलतम क्रियान्वयन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अन्य संस्थानों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रहा है। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी है।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर शिक्षा रत्न अवार्ड से सम्मानित

प्रदेश में उच्च शिक्षा को नई दिशा दे रहे प्रो. टंकेश्वर : विवेकानंद

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को शिक्षा रत्न अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित हायर एजुकेशन कानक्लेव में रेवरी लैंग्वेज टेक्नोलाजीज की ओर से उन्हें यह सम्मान दिया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास एवं शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से केंवि में लागू करने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं गैर शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्वविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयास से इसे लागू करने में सफल रहा है। कुलपति ने कहा है कि ऐसी

शिक्षा रत्न अवार्ड लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौजन्य : हकेंवि प्रवक्ता

सभी उपलब्धियां विश्वविद्यालय एक टीम के रूप में कार्य कर ही हासिल कर सकता है। विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को वर्ल्ड क्लास शिक्षा मिले, इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार पिछले लगभग एक दशक से हरियाणा प्रदेश में उच्च शिक्षा को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके चलते ही उन्हें श्रेष्ठ कुलपति अवार्ड 2020, विद्यासागर अवार्ड 2017, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2016, एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड 2016 के साथ साथ अमेटी यूनिवर्सिटी की ओर से उन्हें विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है। रेवरी लैंग्वेज टेक्नोलाजीज के सह-संस्थापक विवेकानंद पाणि ने कहा है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. टंकेश्वर कुमार निरंतर उल्लेखनीय प्रयास कर रहे हैं। सूचना तकनीकी व प्रौद्योगिकी विकास के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में हकेंवि प्रो. टंकेश्वर के नेतृत्व में अन्य संस्थानों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रहा है।

Vice Chancellor, Professor Tankeshwar Kumar honored with 'Shiksha Ratna Award'

Param Vashisht
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, has been honored with the 'Shiksha Ratna Award' 2022. He has been honored with this honor by Reverie Language Technologies at the Higher Education Conclave held in Delhi. As the Vice Chancellor, he has been given this honor for the development of Information Technology and for effectively implementing the National Education Policy (NEP) 2020 in the CUH. He was honored with this award at a felicitation function held in Delhi.Prof. Tankeshwar Kumar has given the credit of this achievement to all the participants and colleagues of the University. He said that all the teaching and non-teaching staff of the University have played an important role in implementing the National Education Policy. The University has been successful in implementing it with the collective effort of one and all. He has congratulated the entire team of the University for this achievement. The Vice Chancellor has said that the University can achieve all such achievements only by working as a team. The University is on the path of progress. Efforts are being made by the University administration in this direction to provide world class education to the students of the University.It is worth mentioning that the Vice Chancellor of the University, Professor Tankeshwar Kumar, has been playing an important role in giving a new direction to Higher Education in Haryana State since last decade. Due to this, he has been honored with the Best Vice Chancellor Award 2020, Vidyasagar Award 2017, Life Time Achievement Award 2016, Education Leadership Award 2016 as well as special honors from Amity University. He is doing excellent work in the field of education and research since last 35 years. Vivekananda Pani, Co-Founder of Reverie Language Technologies, has said that in the field of higher education, Prof. Tankeshwar Kumar is continuously making remarkable efforts. He said that besides information technology, technological advancement and successful implementation of New National Education Policy, Central University of Haryana under the guidance of Prof. Tankeshwar Kumar is acting as a guide for other institutions. Working sincerely as a true leader, he is giving a new direction to the future of Haryana and the country. All the teachers and staff of the University have congratulated the Vice Chancellor for this achievement.

> **" HE SAID THAT ALL THE TEACHING AND NON-TEACHING STAFF OF THE UNIVERSITY HAVE PLAYED AN IMPORTANT ROLE IN IMPLEMENTING THE NATIONAL EDUCATION POLICY"**

केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार शिक्षा रत्न अवॉर्ड से सम्मानित

⇨ दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा

जगमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को शिक्षा रत्न अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है।

दिल्ली में आयोजित हॉयर एजुकेशन कानक्लेव में रेवरी लेंग्वेज टेक्नोलॉजिज की ओर से उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया है। कुलपति के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी

के विकास एवं शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय में लागू करने के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। दिल्ली में आयोजित एक सम्मान समारोह में उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं गैर शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्वविद्यालय सभी के सामूहिक प्रयास से इसे लागू करने में सफल रहा है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी है। कुलपति ने कहा है कि ऐसी सभी उपलब्धियां विश्वविद्यालय एक टीम के रूप में कार्य कर ही हासिल कर सकता है। विश्वविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

SEMINAR ON PRINTING AT CUH

Mahendragarh: The department of printing and packaging technology at Central University of Haryana (CUH) organised a one-day seminar on "New Areas of Applications in Printing" through the blended mode (physical and virtual means). The key speaker, P Chander, president, AIFMP, stressed upon the value and importance of organising seminars on similar topics to benefit the academia and print industry at large.

The Tribune
Mon, 05 September 2022
https://epaper.tribunei

हकेवि में बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर वेबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। वेबिनार में विशेषज्ञ सुश्री पारुल ने अपने भाषण में बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रमुख बिंदुओं और प्रकारों पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय,बठिंडा; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक; एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान); आरपी

इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी, करनाल; सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी; सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फामेर्सी, राजौद (कैथल); चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी; ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, हिसार; सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून; गांधी कॉलेज ऑफ फामेर्सी, करनाल; आर.के.एस.डी कॉलेज ऑफ फामेर्सी, कैथल; स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संसथानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बैंगलोर में कार्यरत सुश्री पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं और उनके इस अनुभव से प्रतिभागी अवश्य ही लाभांवित होंगे। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार व सभी शिक्षकों का धन्यवाद किया।

विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- हकेवि में शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित
- यूजीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में कुलपति सहित शिक्षक हुए शामिल

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस मौके पर कुलपति सहित विश्वविद्यालय शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शिक्षक पर्व पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में भी प्रतिभागिता की। मोटिवेटिड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हॉयर एजुकेशन विषय पर आधारित इस ऑनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार ने विभिन्न फेलोशिप व अनुदान सुविधाओं की घोषणा की।

शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम में हकेवि के शिक्षक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति ने शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन काल में जब किताबें उपलब्ध नहीं थी तब शिक्षक ज्ञान सृजन में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक थे। किताबों की उपलब्धता और आज के समय में सूचना तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद शिक्षकों की महत्ता निरंतर बरकरार है। कुलपति ने शिक्षकों की स्वतंत्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्वतंत्रता का लाभ उठाते हुए विद्यार्थियों, समाज, देश व मानव जाति के हित में कार्य करना चाहिए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति में शिक्षकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय निरंतर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम में स्कूल ऑफ लाइफ लांग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विभिन्न विभागों द्वारा जारी श्रेष्ठ प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर सभागार में मौजूद शिक्षकों के लिए विभिन्न माइंड मेपिंग गेम्स का भी आयोजन किया गया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने शिक्षकों की भूमिका को महत्त्व बताते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के निमार्ता है। विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

वेबिनार में राष्ट्र निर्माण पर मंथन

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताए बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए दवा की खोज और उसकी विकास प्रक्रिया में काम करने वाले शोध छात्रों और संकाय सदस्यों की सराहना की।

विशेषज्ञ सुश्री पारुल ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में बताया। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा उत्तर प्रदेश, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर (राजस्थान), आरपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी करनाल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी सावित्री देवी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजौंद (कैथल); चैधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी हिसार, सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी, बालावाला, देहरादून, गांधी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, करनाल, आर.के.एस.डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कैथल, स्टारएक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम समेत 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

'विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की भूमिका अहम'

हकेंवि में कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार । संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। इस दौरान शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने यूजीसी द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में भी हिस्सा लिया। मोटिवेटिड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हॉयर एजुकेशन विषय पर आधारित इस ऑनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने विभिन्न फेलोशिप व अनुदान सुविधाओं की घोषणा की। कुलपति ने कहा कि प्राचीन काल में जब किताबें उपलब्ध नहीं थी तब शिक्षक ज्ञान सृजन में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक थे। किताबों की उपलब्धता और आज के समय में सूचना तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद शिक्षकों की महत्ता निरंतर बरकरार है। प्रो. पवन कुमार मौर्य औप प्रो. नीलम सांगवान ने विभिन्न विभागों द्वारा जारी श्रेष्ठ प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम की समंवयक डॉ. रेनु यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर सभागार में मौजूद शिक्षकों के लिए विभिन्न माइंड मेपिंग गेंस का भी आयोजन किया गया। संवाद

बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्र निर्माण पर वेबिनार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार व राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार कराया गया। इसमें विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्त्व पर जोर दिया।

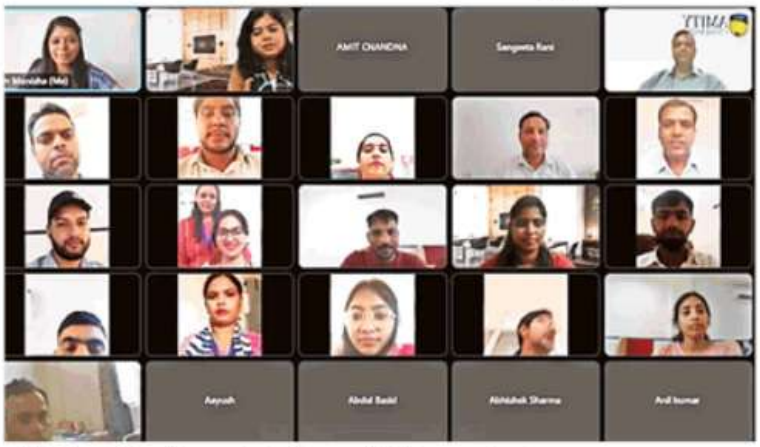

हकेंवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. संस्था

उन्होंने फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा विशेष रूप से दवा खोज और उसकी प्रक्रिया के क्षेत्र में काम करने वाले शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पारुल चतुर्वेदी उपस्थित रहीं। स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की डीन और डीन रिसर्च प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण दिया। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डा. दिनेश कुमार ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार अनुसंधान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, आरपी इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी करनाल, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी, सावित्री देवी मेमोरियल कालेज आफ फार्मेसी राजौंद, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी हिसार, सरदार भगवान सिंह यूनिवर्सिटी देहरादून, गांधी कालेज आफ फार्मेसी करनाल, आरकेएसडी कालेज आफ फार्मेसी कैथल, स्टार एक्स यूनिवर्सिटी गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 100 से अधिक शोधार्थियों व संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. सुमित कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि आईपीएफसी एसोकेम बेंगलुरु में कार्यरत पारुल चतुर्वेदी स्टार्ट-अप्स, पेटेंट पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार क्षेत्र में विशेष अनुभव रखती हैं। विभाग की सहायक आचार्य तथा कार्यक्रम की माडरेटर डा. मनीषा ने आयोजन में सक्रिय भागीदारी की।

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास में अध्यापकों की भूमिका होती है अहम : प्रो. टंकेश्वर

मोटिवेटेड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हायर एजुकेशन विषय पर आनलाइन व्याख्यान कराया

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ के इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि रहे। कुलपति सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा शिक्षक पर्व पर आयोजित आनलाइन व्याख्यान में भी प्रतिभागिता की।

मोटिवेटेड एंड एनर्जाइज्ड टीचर्स इन हायर एजुकेशन विषय पर आधारित इस आनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने विभिन्न फेलोशिप व अनुदान सुविधाओं की घोषणा की।

शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य सदस्य ● सौजन्य : संस्था

विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति ने शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन काल में जब किताबें उपलब्ध नहीं थी, तब शिक्षक ज्ञान सृजन में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक थे। किताबों की उपलब्धता और आज के समय में सूचना तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद विद्यार्थियों के विकास में शिक्षकों की महत्ता निरंतर बरकरार है। कुलपति ने शिक्षकों की स्वतंत्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्वतंत्रता का लाभ उठाते हुए विद्यार्थियों, समाज, देश व मानव जाति के हित में कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में स्कूल आफ लाइफ लांग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य व स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने विभिन्न विभागों द्वारा जारी श्रेष्ठ प्रयासों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम की समन्वयक डा. रेनू यादव ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर सभागार में मौजूद शिक्षकों के लिए विभिन्न माइंड मेपिंग गेम्स का भी आयोजन किया गया। शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने शिक्षकों की भूमिका को महत्त्व बताते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माता है। विश्वविद्यालय के प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Teacher's Day celebrated at CUH

Manish Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: Teacher's Day was organized on the birthday of former President of India Sarvepalli Radhakrishnan, at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor was present as the chief guest while Prof. Sunita Srivastava attended as the guest of honour. On this occasion, the University teachers, students and research scholars, including the Vice Chancellor, also participated in the online lecture organized by the University Grants Commission (UGC) on the Shikshak Parv. In this online lecture on 'Motivated and Energized Teachers in Higher Education', Chairman of the University Grants Commission, Prof. M. Jagadesh Kumar announced various fellowship and grant facilities. On this occasion Prof. Tankeshwar Kumar said that in ancient times when books were not available, teachers were the guides of the students in knowledge creation. Despite the availability of books and the increasing influence of information technology in today's time, the importance of teachers remains constant. Referring to the freedom of the teachers, the Vice Chancellor said that taking advantage of this freedom, teachers should work in the interest of students, society, country and mankind. The Vice Chancellor described the role of teachers important in the progress of the University and said that Central University of Haryana is continuously setting new dimensions of success. In the program, the Dean of School of Life Long Learning,

CUH HOLDS NATIONAL WEBINAR

Mahendragarh: A national webinar on "Intellectual Property Rights and its Contribution in Nation-building" was organised by the department of pharmaceutical sciences at Central University of Haryana (CUH) here. More than 100 research scholars and faculty members from various states participated in the event. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said programmes like these were beneficial, especifically for research scholars and faculty members working in the field of drug discovery, and formulation development process.

The Tribune
Wed, 07 September 2022
https://epaper.tribune.

भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदान : प्रो. टंकेश्वर कुमार

विजय कौशिक

हकेवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक।

नारनौल। वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंधप्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुराप्रभाव पड़ रहाहैबल्कि भूमि की उर्वराशक्ति भीलगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहाहै।रासायनिक खादों के लगातारप्रयोग से एक ओर जहां भूमि बंजर होती जा रही है।

दूसरी तरफ विभिन्नप्रकार के त्वचासंबंधीरोग, कैंसरतथा अन्य असाध्यरोगों के जाल में मनुष्य फंसता जा रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप सेतैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए।प्राकृतिक रूप सेतैयारजैविक खाद मनुष्य के स्वास्थ के साथ-साथभूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी।यहविचारहरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपतिप्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थितनवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्टयूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तवने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय में बागवानी का कार्य देख रखे कर्मचारियों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षणप्रदान किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार नेबताया कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का यह प्रयास ोगमुक्त जीवन तथा उपजाऊ भूमि के लिए उपयोगी साबित होंगे। इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य एवं स्कूल ऑफलांग लाइफलर्निंग के अधिष्ठाताप्रो. पवन कुमार मौर्य, सुनील कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, अंकुश, संदीप आदि उपस्थित रहे।

भूमि के लिए जैविक खाद वरदान : वीसी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्व से अवगत कराया जाएगा।

हकेंविवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य। संवाद

दो दिवसीय भारत-75 कार्यक्रम कल से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हंकेवि) में आगामी 9 व 10 सितंबर को भारत-75 सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कलचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार लगाया जाएगा।

आयोजन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे जबकि मुख्यातिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहेंगे। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् व शोध हरियाणा की साझेदारी से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मग्गो, आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आईएम पांडेय आदि उपस्थित रहेंगे। संवाद

उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैविक खाद वरदान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: वर्तमान में रासायनिक खादों व कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी लगातार कमजोर होती जा रही है। साथ ही फसलों की पौष्टिकता पर भी इनका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। रासायनिक खादों के लगातार प्रयोग से एक ओर जहां भूमि बंजर होती जा रही है।

दूसरी तरफ विभिन्न प्रकार के त्वचा संबंधी रोग, कैंसर तथा अन्य असाध्य रोगों के जाल में मनुष्य फंसता जा रहा है। इससे बचाव के लिए हमें प्राकृतिक रूप से तैयार खाद के प्रयोग पर बल देना चाहिए। प्राकृतिक रूप से तैयार जैविक खाद मनुष्य के स्वास्थ्य के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगी। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा स्थापित वर्मी कंपोस्ट यूनिट के निरीक्षण के दौरान व्यक्त किए।

हकेवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में बनी जैविक खाद के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं से दूसरे), प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व अन्य शिक्षक ● सौ.प्रवक्ता

कुलपति ने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में स्थापित यह यूनिट न केवल विश्वविद्यालय के पेड़-पौधों के लिए उपयोगी साबित होगी अपितु क्षेत्र के किसानों को भी केचुएं द्वारा तैयार जैविक खाद तैयार करने की विधि एवं उसके महत्त्व से अवगत कराया जाएगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय में बागवानी का कार्य देख रखे कर्मचारियों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र का यह प्रयास रोगमुक्त जीवन तथा उपजाऊ भूमि के लिए उपयोगी साबित होंगे।

इस अवसर पर नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सदस्य एवं स्कूल आफ लांग लाइफ लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य, सुनील कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, अंकुश, संदीप आदि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार नौ से

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ आगामी नौ व 10 सितंबर को भारत @75 : सोशल, इकोनामिक, पालिटिकल एंड वलचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने जा रहा है। आयोजन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहेंगे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् व शोध हरियाणा की साझेदारी से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस आफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मग्गो, आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आईएम पांडे, इग्नू के प्रो. कपिल कुमार, आईसीएसएसआर के डा. अभिषेक टंडन व सामाजिक कार्यकर्ता ममता यादव उपस्थित रहेंगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत @ 75 का आयोजन शुक्रवार को

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आगामी 9 व 10 सितंबर को भारत @75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने जा रहा है। आयोजन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री श्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहेंगे। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् व शोध हरियाणा की साझेदारी से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक प्रो. पायल मग्गो, आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आई.एम. पांडे, इग्नू के प्रो. कपिल कुमार, आईसीएसएसआर के डॉ. अभिषेक टंडन व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ममता यादव उपस्थित रहेंगी।

'विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर देना लक्ष्य'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में रूबिकॉन के सहयोग चल रही चार दिवसीय कार्यशाला का समापन किया गया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा लाइफ स्किल्स ट्रेनिंग कार्यक्रम विषय पर आधारित कार्यशाला के समापन समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कार्यशाला के संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

कुलपति ने कहा कि कार्यशाला अवश्य ही विद्यार्थियों के जीवन कौशल को बढ़ाने व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मददगार साबित होगी। कार्यशाला में रूबिकॉन के प्रशिक्षकों अरुणीनी, सोनाली और रविंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के बी.टेक. कार्यक्रमों में अध्ययनरत 205 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों ने दो विद्यार्थियों को कार्यशाला के सुचारु संचालन के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए। इसी क्रम में सिविल इंजीनियरिंग विभाग से मयंक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग से सृष्टि की प्रशासनिक सहयोग के लिए सराहना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. विकास गर्ग ने जीवन कौशल पर प्रकाश डाला।

हकेंवि में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 16 सितंबर तक पांच दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार आयोजन सत्र का उद्घाटन करेंगे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय शांति और विकास अध्ययन संस्थान, बैंकाक के डॉ. सुमित दत्ता इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। डॉ. सुमित दत्ता प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय परामर्श मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्त्ता हैं। संवाद

हकेंवि में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ आगामी 12 से 16 सितंबर तक पांच दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार आयोजन सत्र का उद्घाटन करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार उपस्थित रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय शांति और विकास अध्ययन संस्थान, बैंकाक के डा. सुमित दत्ता इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। डा. सुमित दत्ता प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय परामर्श मनोवैज्ञानिक कार्यकर्ता हैं। कार्यशाला के समन्वयक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. वीएन यादव ने बताया कि इस कार्यशाला में विशेषज्ञ जीवन कौशल कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक दिन नए-नए जीवन कौशलों का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को देंगे। इस पांच दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक दिन छह घंटे के सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में स्वाट एनालिसिस, एनजाइजर एक्सरसाइज, कान्फ्लिक्ट रेसोल्विंग, लार्ज ग्रुप प्रेजेंटेशन, इंडिविजुअल एक्सरसाइज और ग्रुप एक्टिविटीज आदि जीवन कौशलों का प्रशिक्षण डा. सुमित दत्ता द्वारा दिया जाएगा। दूसरे दिन का सत्र पिछले दिन के सत्र में सिखाए गए स्किल्स पर सहभागियों की प्रतिक्रिया से शुरू की जाएगी और प्रत्येक दिन होम असाइनमेंट प्रतिभागियों को दिया जायेगा और अगले दिन सत्र के शुरुआत में इस असाइनमेंट पर चर्चा होगी। कार्यक्रम का आयोजन डा. वीएन यादव, समन्वयक डा. पायल चंदेल, आयोजन सचिव व मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया जाएगा।

-हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत एट 75 को हुआ शुभारंभ

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य: प्रफुल्ल अकांत

- कुलपति बोले नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगी शोध को नई दिशा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्व-विद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कलचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री श्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर श्री प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। उन्होंने अपने संबोधन में भारत को आत्मनिर्भर व विश्वशक्ति बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

दीप प्रज्जवलन कर सेमिनार का उद्घाटन करते श्री प्रफुल्ल अकांत

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते श्री प्रफुल्ल अकांत

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीपप्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव ने आईसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परम्परा और उससे जुड़े समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से शोध निरंतर भारत की सामाजिक परिकल्पना और समाज की बेहतरी हेतु शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल अकांत ने विश्वविद्यालय कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और भारत की पहचान पर विमर्श से ही इसके विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में विविधता में एकता का उल्लेख किया जाता है जबकि सही मायने में वह कथन एकता में विविधता होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की समृद्धता, गौरवशाली इतिहास, सामाजिक समरसता, आर्थिक चिंतन, महिलाओं के प्रति चिंतन का उल्लेख करते हुए समाज हितैषी व जनउपयोगी शोध की ओर बढ़ने का आह्वान प्रतिभागियों से किया। उन्होंने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सब कुछ उचित रहा हो, भारत के इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण उपलब्ध हैं जोकि यहां व्याप्त पर्दाप्रथा, वर्ण व्यवस्था के अनुचित चलन को प्रदर्शित करते हैं। श्री प्रफुल्ल अकांत ने इस अवसर पर शोध के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय स्तर पर कैम्पस टू कम्यूनिटी व रूरल इंटर्नशिप प्रोग्राम जैसे माध्यमों को अपनाने पर जोर दिया।

श्रीफल भेंट कर श्री प्रफुल्ल अकांत का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्रशासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। कुलपति ने कहा कि आज जरूरत है बहुविकल्पीय शिक्षा व्यवस्था की और इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वावलंबी भारत के निर्माण हेतु युवाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेख किया है ऐसे में युवा पीढ़ी को अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए इस दिशा में बढ़कर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में समाज सेवी श्रीमती ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से महिलाएं पुरातन काल से ही भारत निर्माण में पुरूषों की अपेक्षा उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसिचव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि कुलपति यूथ रैड क्रॉस शील्ड से सम्मानित

नीरज कौशिक/विजय कौशिक

महेंद्रगढ़/नारनौल। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा की 34वीं वार्षिक महासभा का आयोजन किया गया। हरियाणा राजभवन चण्डीगढ़ में आयोजित इस महासभा में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को हरियाणा राज्य अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय में मानवकल्याणकारी गतिविधियों में सराहनीय कार्य करने के लिए राज्यपाल द्वारा यूथ रैड क्रॉस शील्ड

हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवार्ड से सम्मानित करते राज्यपाल

अवार्ड से सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को यह सम्मान विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड महामारी के दौरान किए गए कार्यों, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, अंगदान अभियान में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवॉर्ड को यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों की मेहनत, लग्न से ही विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य सफलता से कर पा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने निरंतर प्रयास से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रैड क्रॉस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल को भी लगातार तीसरी बार यूथ रैडक्रॉस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

हकेंवि के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन

संस्थापक कुलपति के कार्यों को याद किया, अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रो. मूलचंद शर्मा की स्मृति में शुक्रवार को पहला व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

इस दौरान प्रो. मूलचंद शर्मा के परिवार के सदस्यों सहित, विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक, सहकर्मी व विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी का धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति अर्जन कुमार सीकरी ने मौलिक कर्तव्यों पर व्याख्यान दिया।

मानवाधिकारों के पैरोकार के रूप में प्रो. शर्मा को याद करते हुए उन्होंने श्रोताओं को बताया कि प्रो. शर्मा मौलिक कर्त्तव्यों में दृढ़ विश्वास रखते थे। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रो. मूलचंद शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. रेनु यादव ने प्रो. मूलचंद शर्मा के जीवन के विभिन्न पहलुओं और कार्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. वीकेएन बंसल, अशोक अरोड़ा, डॉ. इंदु यादव, प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. स्नेहसता ने प्रो. शर्मा के व्यक्तित्व के बारे में प्रतिभागियों को बताया। डॉ. कृष्णा आर्य ने प्रो. शर्मा के लिए गीत के माध्यम से अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया। इसी क्रम में प्रो. मूलचंद शर्मा की पत्नी डॉ. पवन शर्मा और बेटी दिव्या ने प्रो. शर्मा के बारे में अपनी भावनाओं को साझा किया। उन्होंने प्रो. शर्मा की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कुलपति, प्रो. टंकेश्वर कुमार और उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य : प्रफुल्ल

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत एट 75 का हुआ शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75 प्रतिशत सोशल, इकनॉमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव ने आईसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उससे जुड़ें समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया।

श्रीफल भेंट कर प्रफुल्ल अकांत का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगी शोध को नई दिशा'

कुलपति ने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्र शासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसिचव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति यूथ रैड क्रॉस शील्ड से सम्मानित

राज्यपाल द्वारा यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया

सुरेश पंचोली

महेंद्रगढ़। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा की 34वीं वार्षिक महासभा का आयोजन किया गया। हरियाणा राजभवन चण्डीगढ़ में आयोजित इस महासभा में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को हरियाणा राज्य अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय में मानवकल्याणकारी गतिविधियों में सराहनीय कार्य करने के लिए राज्यपाल द्वारा यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को यह सम्मान विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड महामारी के दौरान किए गए कार्यों, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, अंगदान अभियान में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यूथ रैड क्रॉस शील्ड अवॉर्ड को यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों की मेहनत, लग्न से ही विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य

सफलता से कर पा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने निरंतर प्रयास से विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रैड क्रॉस इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल को भी लगातार तीसरी बार यूथ रैडक्रॉस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार यूथ रेडक्रॉस शील्ड से सम्मानित

प्रो. टंकेश्वर कुमार को यूथ रेडक्रॉस शील्ड से सम्मानित करते राज्यपाल। संवाद संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय में मानव कल्याणकारी गतिविधियों में सराहनीय कार्य करने के लिए राज्यपाल ने यूथ रेडक्रॉस शील्ड अवार्ड से सम्मानित किया।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा की 34वीं वार्षिक महासभा का आयोजन किया गया। वीरवार को हरियाणा राजभवन चंडीगढ़ में आयोजित इस महासभा में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को हरियाणा राज्य अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को यह सम्मान विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड महामारी के दौरान किए गए कार्यों, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, अंगदान अभियान में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यूथ रेडक्रॉस शील्ड अवॉर्ड को यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों की मेहनत, लग्न से ही विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य सफलता से कर पा रहा है।

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्यः प्रफुल्ल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फार हालिस्टिक डेवलपमेंट आफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कल्चरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर व विश्व शक्ति बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

आइसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर डाला प्रकाश : कार्यक्रम की

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रफुल्ल अकांत ● सौ. प्रवक्ता

शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डा. पूजा राव ने आइसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डा. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उससे जुड़े समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में विविधता में एकता का उल्लेख किया जाता है, जबकि सही मायने में यह कथन एकता में विविधता होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की समृद्धता, गौरवशाली इतिहास, सामाजिक समरसता, आर्थिक चिंतन, महिलाओं के प्रति चिंतन का उल्लेख करते हुए समाज हितैषी व जनउपयोगी शोध की ओर बढ़ने का आह्वान प्रतिभागियों से किया।

नई शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में साबित होगी मील का पत्थर : कुलपतिः विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्रशासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। कुलपति ने कहा कि आज जरूरत है बहुविकल्पीय शिक्षा व्यवस्था की और इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए युवाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में समाज सेवी ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डा. प्रदीप सिंह, डा. रेनु यादव, डा. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि कुलपति यूथ रेडक्रास शील्ड से किए गए सम्मानित

हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को यूथ रेडक्रास शील्ड अवार्ड से सम्मानित करते राज्यपाल ● सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा की 34वीं वार्षिक महासभा का आयोजन किया गया। हरियाणा राजभवन चंडीगढ़ में आयोजित इस महासभा में समाज कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को हरियाणा राज्य अवार्ड से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को विश्वविद्यालय में मानव कल्याणकारी गतिविधियों में सराहनीय कार्य करने के लिए राज्यपाल द्वारा यूथ रेडक्रास शील्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को यह सम्मान विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड महामारी के दौरान किए गए कार्यों, पर्यावरण संरक्षण अभियान, स्वच्छता अभियान, अंगदान अभियान में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने यूथ रेडक्रास शील्ड अवार्ड को यूथ रेडक्रास के स्वयंसेवकों को समर्पित करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों की मेहनत, लग्न से ही विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य सफलता से कर पा रहा है। विवि की यूथ रेडक्रास इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल को भी लगातार तीसरी बार सम्मानित किया गया।

हकेवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

- आईसीएसएसआर व शोध हरियाणा के सहयोग से हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्री विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के

हकेवी में आयोजित समापन सत्र में अपने विचार रखते प्रो. कपिल कुमार।

सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा और बताया कि किस तरह से उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. आरती यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आर्थिक विकास में नवाचार जरूरी : प्रो. सुनीता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75 प्रतिशत सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया।

समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता विजय प्रताप उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सेमिनार में भविष्य की दिशा निर्धारित होती है : प्रो . टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट आफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की। प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा और बताया कि किस तरह से उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया।कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. आरती यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डा. आलोक सिंह, डा. प्रदीप सिंह, डा. रेनु यादव, डा. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

हकेवि में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

- आगामी 16 सितम्बर तक चलेगा कार्यक्रम

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़।
PHOTO-2022-09-12-17-43-56
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में एक सप्ताह तक चलने वाले जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज दिनांक 12 सितम्बर हो हुआ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा प्रतिष्ठित परामर्श विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना, दीप प्रज्जवलन और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात मनोविज्ञान विभाग की सह अचार्य व कार्यक्रम की आयोजक डॉ. पायल चंदेल ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वी. एन. यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें शुरूआत से ही बच्चों को लाइफ स्किल्स सीखाने चाहिए। छोटे-छोटे काम बच्चों को सौंपकर उनमें आत्मविश्वास व उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जा सकता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. सुमित दत्ता ने एक लघु नाटक के माध्यम से जीवन कौशल की उपयोगिता को बताया। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल की शिक्षा परेशानियों से जूझने और संघर्ष करने का हौसला देती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत जरूरत है। कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. आर.एन. यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अपने द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण विज्ञान भी भेंट की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने ज्ञापित किया।

कार्यक्रम हकेंवि में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत, जीवन कौशल के महत्व पर 16 तक चलेगा कार्यक्रम

'बच्चों को काम सौंपने से बढ़ता है उनका आत्मविश्वास'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में एक सप्ताह तक चलने वाले जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए तथा प्रतिष्ठित परामर्श विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डाला। मनोविज्ञान विभाग की सह अचार्य व कार्यक्रम की आयोजक डॉ. पायल चंदेल ने अतिथियों व प्रतिभागियों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वीएन यादव ने प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें शुरूआत से ही बच्चों को लाइफ स्किल्स सीखाने चाहिए। छोटे-छोटे काम बच्चों को सौंपकर उनमें आत्मविश्वास व उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जा सकता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. सुमित दत्ता ने एक लघु नाटक के माध्यम से जीवन कौशल की उपयोगिता को बताया। विशिष्ट अतिथि व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत जरूरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. वीएन। संवाद

पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. आरएन यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अपने द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण विज्ञान भी भेंट की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने ज्ञापित किया।

जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम जरूरी

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में एक सप्ताह तक चलने वाले जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। प्रतिष्ठित परामर्श विशेषज्ञ, मनोवैज्ञानिक और शांति कार्यकर्ता डा. सुमित दत्ता ने विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (मध्य में) को स्मृति चिह्न भेंट करते डा. वीएन. यादव ● सौ. संस्था

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डाला। मनोविज्ञान विभाग की सह आचार्या व कार्यक्रम की आयोजक डा. पायल चंदेल ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक डा. वीएन यादव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने जीवन कौशल के महत्व और उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें शुरुआत से ही बच्चों को लाइफ स्किल्स सिखाने चाहिए।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डा. सुमित दत्ता ने एक लघु नाटक के माध्यम से जीवन कौशल की उपयोगिता को बताया। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल की शिक्षा परेशानियों से जूझने और संघर्ष करने का हौसला देती है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत जरूरत है। कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरण विज्ञानी डा. आरएन यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अपने द्वारा लिखित पुस्तक पर्यावरण विज्ञान भी भेंट की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. प्रदीप कुमार ने ज्ञापित किया।

'मानसिक रोग से पीड़ित होने पर मनोचिकित्सक की लें मदद'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित साप्ताहिक जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन के प्रथम सत्र की शुरुआत प्रथम दिवस में दिए गए असाइनमेंट के विवेचन से हुई।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित परामर्शदाता, मनोवैज्ञानक एवं शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने तीव्र गतिक एवं परिवर्तनशील परिवेश में मनोविज्ञान की उपयोगिता और उसके महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। व्यक्ति को शारीरिक विकृति होने पर शारीरिक चिकित्सक के पास जाता है लेकिन मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति मनोचिकित्सक के पास जाने से परहेज करता है। डॉ. दत्ता ने बताया कि मानसिक रोग से ग्रस्त होने की स्थिति में बिना किसी झिझक के मनोवैज्ञानिक, परामर्शदाता और मनोचिकित्सक के पास जाना चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने स्वॉट एनालिसिस से संबंधित एक स्माल ग्रुप संवाद भी प्रतिभागियों के बीच करवाया। उन्होंने जीवन को सहज, सरल, सार्थक, उपयोगी एवं उत्पादक बनाने वाले विभिन्न जीवन कौशलों की प्रतिभागियों को प्रेरणा दी।

हिंदी दिवस पर आज होंगी प्रतियोगिताएं

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत बुधवार को वैश्वीकरण के दौर में हिंदी विषय पर एक वेबीनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. मीरा गौतम अपना उद्बोधन देंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएगी। विश्वविद्यालय में ये आयोजन आगामी 29 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से निबंध लेखन प्रतियोगिता, नारा लेखन, कविता पाठ व ओपन माइक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों में उत्साह है। ओपन माइक प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें विद्यार्थी हिंदी में अपने किसी रूचिकर विषय पर अपनी प्रस्तुति दे सकते हैं। संवाद

हकेंवि में हिंदी दिवस के अवसर पर कराई जाएंगी प्रतियोगिताएं

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करने जा रहा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत बुधवार को वैश्वीकरण के दौर में हिंदी विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया जाएगा जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर मीरा गौतम अपना उदबोधन देंगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। विश्वविद्यालय में ये आयोजन 29 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में मुख्य रूप से निबंध लेखन प्रतियोगिता, नारा लेखन, कविता पाठ व ओपन माइक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों में उत्साह है।

विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति को नया रूप देने के लिए ओपन माइक प्रतियोगिता रखी गई है जिसमें विद्यार्थी हिंदी में अपने किसी रूचिकर विषय पर अपनी प्रस्तुति दे सकते हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने बताया कि इस आयोजन के पुरस्कार वितरण समारोह में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।

मानसिक रोग से ग्रस्त होने पर लें सलाह

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित साप्ताहिक जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन के प्रथम सत्र की शुरुआत प्रथम दिवस में दिए गए असाइनमेंट के विवेचन से हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक एवं शांति कार्यकर्त्ता डा. सुमित दत्ता ने तीव्र गति एवं परिवर्तनशील परिवेश में मनोविज्ञान की उपयोगिता और उसके महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जानकारी देते विशेषज्ञ ● सौ. प्रवक्ता

डा. दत्ता ने बताया कि मानसिक रोग से ग्रस्त होने की स्थिति में बिना किसी झिझक के मनोवैज्ञानिक, परामर्शदाता और मनोचिकित्सक के पास जाना चाहिए। उन्होंने जीवन को सहज, सरल, सार्थक, उपयोगी एवं उत्पादक बनाने वाले विभिन्न जीवन कौशलों की प्रतिभागियों को प्रेरणा दी।

हकेवि की छात्रा अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के लिए आमंत्रित

21 से 23 सितंबर तक लंदन में आयोजित होगी अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की

छात्रा सिमरन चौहान को यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले आत्मनिर्भर भारत पर अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में पर्यावरण विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। विश्वविद्यालय छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सिमरन को यह मौका पर्यावरण संसद में उनकी भागीदारी व पर्यावरण के प्रति किए गए उनके सराहनीय कार्यों को देखते हुए प्राप्त हुआ है। सिमरन एक होनहार छात्रा है। विश्वविद्यालय में वह शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेती है। विश्वविद्यालय के हरित परिसर स्वच्छ परिसर प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने भी सिमरन को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 21 से 23 सितंबर तक लंदन में किया जा रहा है। इससे पहले भी दिल्ली संसद भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण यूथ संसद में भी लीडर आफ अपोजिशन का अवार्ड प्राप्त करके सिमरन ने क्षेत्र व विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। नारनौल निवासी सिमरन चौहान के पिता श्री शिवचरण चौहान ने बताया कि बचपन से ही सिमरन की रूचि सामाजिक कार्यों में रही है। पर्यावरण से उसे बेहद लगाव है। अपने इसी लगाव से चलते वह अब तक हजारों पेड़ वितरण कर चुकी है। सिमरन चौहान ने बताया कि अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अपने माता-पिता को देती हैं, जिनके मार्गदर्शन व प्रेरणा से वह विभिन्न चुनौतियों का सामना कर शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यों में भी प्रतिभागिता कर पा रही है।

जीवन अवधि विकास के सिद्धांतों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन आत्म जागरूकता, स्वॉट एनालिसिस आदि पर चर्चा हुई। डॉ. सुमित दत्ता ने स्वॉट एनालिसिस पर प्रकाश डाला। उन्होंने मनोवैज्ञानिक वातावरण हमारे विकास और प्रगति में किस तरह से अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. सुमित दत्ता ने जोहारी विंडो संकल्पना से संबंधित प्रतिभागियों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर एक छोटा समूह क्रिया-कलाप करवाकर उनका ज्ञानवर्धन किया। उन्होंने जीवन अवधि विकास के सिद्धांतों की विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने जीन पियाजे और सिग्मंड फ्रायड जैसे विख्यात विकासात्मक मनोवैज्ञानिकों के संकल्पनाओं के माध्यम से बच्चों और किशोरों की सोच पैटर्न, उनके विकास और उनकी समस्याओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। संवाद

अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में हकेंवि की छात्रा सिमरन लेंगी भाग

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की छात्रा सिमरन चौहान को यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले आत्मनिर्भर भारत पर अंतरर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में पर्यावरण विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

सिमरन।

पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को देखते हुए किया आमंत्रित

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सिमरन की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। विश्वविद्यालय के हरित परिसर स्वच्छ परिसर प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी सिमरन को बधाई दी। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत में आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 21 से 23 सितंबर तक लंदन में किया जा रहा है। इससे पहले भी दिल्ली संसद भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण यूथ संसद में भी लीडर आफ अपोजिशन का अवार्ड प्राप्त करके सिमरन ने क्षेत्र व विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। नारनौल निवासी सिमरन चौहान के पिता शिवचरण चौहान ने बताया कि बचपन से ही सिमरन की रुचि सामाजिक कार्यों में रही है। पर्यावरण से उसे बेहद लगाव है। इस लगाव से चलते वह हजारों पेड़ बांट चुकी है।

सिमरन चौहान ने बताया कि अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अपने माता-पिता को देती हैं, जिनके मार्गदर्शन व प्रेरणा से वह विभिन्न चुनौतियों का सामना कर शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यों में भी प्रतिभागिता कर पा रही है।

अंतरराष्ट्रीय कान्क्लेव के लिए हकेंवि की छात्रा सिमरन आमंत्रित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग की छात्रा सिमरन चौहान को यूनाइटेड किंगडम में आयोजित होने वाले आत्मनिर्भर भारत पर अंतरराष्ट्रीय कान्क्लेव में पर्यावरण विषय पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

छात्रा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सिमरन को यह मौका पर्यावरण संसद में उनकी भागीदारी व पर्यावरण के प्रति किए गए उनके सराहनीय कार्यों को देखते हुए प्राप्त हुआ है।

सिमरन एक होनहार छात्रा है। विश्वविद्यालय में वह शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेती हैं। विश्वविद्यालय के हरित परिसर स्वच्छ परिसर प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने भी सिमरन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन आगामी 21 से 23 सितंबर तक लंदन में किया जा रहा है।

इससे पहले भी दिल्ली संसद भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण यूथ संसद में भी विपक्ष के नेता का अवार्ड प्राप्त करके सिमरन ने क्षेत्र और विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन के पिता शिवचरण चौहान ने बताया कि बचपन से ही सिमरन की रूचि सामाजिक कार्यों में रही है।

पर्यावरण से उसे बेहद लगाव है। अपने इसी लगाव से चलते वह अब तक हजारों पौधे वितरित कर चुकी है। सिमरन ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अपने माता- पिता को दिया।

आत्म चेतना की खुराक है हिंदी : प्रो. मीरा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। प्रत्येक भारतीय के आत्म चेतना की खुराक हिंदी है। देश का प्रत्येक नागरिक हिंदी से प्यार करता है। यही कारण है कि वैश्वीकरण के दौर में हिंदी के एक वैश्विक भाषा भी बन रही है। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. मीरा गौतम ने हिंदी दिवस पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित वेबीनार को संबोधित करते हुए कहीं।

हकेंवि में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं प्रतिभागी। संवाद

उन्होंने कहा कि प्रो. मीरा गौतम ने कहा कि नई तकनीक के कारण दुनिया में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। तकनीकी विस्तार का फायदा हिंदी को भी मिला है। डिजिटल माध्यमों पर हिंदी का विस्तार अन्य माध्यमों से काफी अधिक है। प्रो. गौतम ने कहा कि दुनिया भर में हिंदी साहित्य के पाठकों की संख्या बढ़ रही है। प्रवासी भारतीय हिंदी में साहित्य लिख रहे हैं जिसे दुनिया पढ़ रही है। प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि हिंदी भारतीयों का एक सूत्र में पिरोने वाला माध्यम है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय विद्यार्थियों के हित के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि भाषा बोध के बिना भारत बोध संभव नहीं है।

इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में हेमंत व ज्योति, नारा लेखन में मौसम, मोहित एवं विवेकानंद, कविता पाठ में नमिता और अनुष्का, ओपन माइक में फेमिना, संगीता एवं दर्शना ने बाजी मारी। डॉ. सुरेंद्र, व डॉ. नीरज ने सभी का धन्यवाद किया। डॉ. भारती बत्रा व गौरव जोशी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज, आलेख सच्चिदानंद व सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

रैली निकाल कर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

महेंद्रगढ़। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली और विश्वविद्यालय परिसर साफ-सफाई की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर सभी को सफाई का महत्व बताया। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने स्वयंसेवकों को साफ सफाई का संदेश देते हुए कहा कि सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता होना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर प्रो. दिनेश चहल सहित स्वयंसेवक हितेश, शिवम, अनिकेत रहे। संवाद

जीवन कौशल की उपयोगिता बताई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग की ओर से साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम के चौथे दिन वक्ताओं ने जीवन कौशल की उपयोगिता बताई। मनोवैज्ञानिक डॉ. सुमित दत्ता ने प्रथम सत्र की शुरुआत बुधवार को दिए गए असाइनमेंट के विवेचन से किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विचारों, भावनाओं और व्यवहार के बीच की गतिशीलता और अंतर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये किस तरह से व्यक्ति को उसके वातावरण में उपस्थित संघर्षों के साथ समायोजन स्थापित करने में मदद करते हैं। संवाद

FOURTH DAY OF LIFE SKILLS TRAINING PROGRAM IN CUH

MAHENDRAGARH(TIT NEWS) The initial session of day four of one week life skills training program being held at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized by the Department of Psychology, started with Saraswati Vandana and discussion of assignments given on the previous day. The external expert Dr. Sumit Dutta, Counseling Psychologist and Peace Activist explained the dynamics and the differences between thoughts, feelings, and behaviour, the conflicts faced due to contrary beliefs and values, which was explained thoroughly using Kurt Lewin's change model. Participants took part in individual exercise that focused on identifying the values in an individual's life and their importance, how it enables an individual to adjust to their environment, and how one can make one's life and the life of others better by recognising and managing the conflicts. The group activities focused upon situational dilemmas such as need vs. desire, conflicts that arise due to contrary values, 15 cognitive distortions, and the techniques to manage emotions. The foremost aim of the activities was to make the participants equipped with the idea of identifying and handling the cognitive distortions faced in everyday .life. Continuing the sequence, the participants were made aware of 3 stages of Management of Emotions which was backed by the theoretical concepts of cognitive behavioral therapy and the model

दुनिया भर में निरंतर बढ़ती जा रही है हिंदी साहित्य के पाठकों की संख्या

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः प्रत्येक भारतीय के आत्म-चेतना की खुराक हिंदी है। देश का प्रत्येक नागरिक हिंदी से प्यार करता है यही कारण है कि वैश्वीकरण के दौर में हिंदी के एक वैश्विक भाषा भी बन रही है।

यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. मीरा गौतम ने हिंदी दिवस पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

गौतम ने कहा कि नई तकनीक के कारण दुनिया में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है। तकनीकी विस्तार का फायदा हिंदी को भी मिला है। डिजिटल माध्यमों पर हिंदी का विस्तार अन्य माध्यमों से काफी अधिक है। दुनिया भर में हिंदी साहित्य के पाठकों की संख्या बढ़

हकैवि में हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एव प्रतिभागी ● सौ. प्रवक्ता

रही है। संचार माध्यमों ने हिंदी को एक नई दिशा व गति दी है। इसका आने वाले समय में देश को फायदा होगा। देश के प्रधानमंत्री आज वैश्विक मंचों पर हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं इससे दुनिया भर में हिंदी को गौरव बढ़ रहा है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से अपनी भाषा को सशक्त करने की अपील की।

हिंदी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कहा कि हिंदी भारतीयों का एक सूत्र में पिरोने वाला माध्यम है। विश्वविद्यालय में 25 से अधिक राज्य के विद्यार्थियों के बीच हिंदी एक लिंक भाषा के रूप में विकसित हो रही है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह की प्रस्तुतियां विद्यार्थियों ने दी हैं, वह प्रशंसनीय है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय विद्यार्थियों के हित के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने कहा कि भाषा बोध के बिना भारत बोध संभव नहीं है। भारत को जानने समझने के लिए हिंदी का ज्ञान होना जरूरी है।

वैश्वीकरण के दौर में वैश्विक विषय सामग्री हिंदी में तैयार करने के लिए कुशल मीडिया कर्मियों की आवश्यकता है। इसके लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को स्वयं को तैयार करने की जरूरत है। हिंदी दिवस पर सात राज्यों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर हिंदी के मान-सम्मान को बढ़ाया है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी है। इस अवसर पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में हेमंत व ज्योति, नारा लेखन में मौसम, मोहित एवं विवेकानंद, कविता पाठ में नमिता और अनुष्का, ओपन माइक में फैमिना, संगीता एवं दर्शना ने बाजी मारी। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. सुरेंद्र व डा. नीरज ने सभी का धन्यवाद किया। डा. भारती बत्रा व गौरव जोशी ने सभी का स्वागत किया। विभाग के शिक्षकों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डा. पंकज, आलेख सच्चिदानंद व सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

वर्तमान परिदृश्य में प्रतिदिन बढ़ता जा रहा हिंदी का महत्व : कौशिक

जागरण संवाददाता, नारनौलः संतोष मेमोरियल दिव्यांगजन एवं पुनर्वास केंद्र नारनौल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य डा. शिवताज सिंह, सेवानिवृत प्राचार्य जयप्रकाश कौशिक ने विचार रखे।

डा. आरएन यादव ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में हिंदी का महत्व प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। डा. शिवताज सिंह ने कहा कि हिंदी एक लोकतांत्रिक भाषा है। इसको लोकप्रिय भाषा बनाने में हमारे साधु-संतों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण रही है। कबीर, रैदास व तुलसी जैसे संतों ने हिंदी को सरल व आम आदमी की भाषा बनाने में अहम भूमिका निभाई है। जय प्रकाश कौशिक ने कहा कि देश में कश्मीर से कन्याकुमारी व गुजरात से असम तक सभी लोग हिंदी भाषा को समझने में सक्षम है। विश्व के अन्य देश भी अब हिंदी भाषा को सीखने में रूचि ले रहे हैं। इस संगोष्ठी में छात्रों व शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन किरण शर्मा व धन्यवाद ज्ञापन योगेश्वर ने किया। अंत में संस्था निदेशक डा. आरएन यादव ने डा. शिवताज सिंह व जय प्रकाश कौशिक को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत अभ्यास व समूह कार्य विद्यार्थियों के लिए जरूरी

विशेषज्ञों ने जीवन कौशल कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम का चौथे दिन का आरंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक एवं शांति कार्यकर्ता डा. सुमित दत्ता ने प्रथम सत्र की शुरुआत बुधवार को दिए गए असाइनमेंट के विवेचन से किया।

उन्होंने प्रतिभागियों को विचारों, भावनाओं और व्यवहार के बीच की गतिशीलता और अंतर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये किस तरह से व्यक्ति को उसके वातावरण में उपस्थित संघर्षों के साथ समायोजन स्थापित करने में मदद करते हैं। उन्होंने विख्यात मनोवैज्ञानिक कुर्ट लेविन के माडल के माध्यम से व्यक्ति के संघर्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने व्यक्तिगत अभ्यास, समूह कार्य और बड़े समूह प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न कौशल से भी परिचित करवाया। डा. दत्ता ने विचार, भावना, व्यवहार और मनोवैज्ञानिक संप्रत्ययों को परिभाषित कर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। साथ ही साथ व्यक्ति की संज्ञानात्मक विकृतियों की जानकारी देते हुए उनके उपचार के लिए संज्ञानात्मक तकनीकों में गहनता से प्रकाश डाला। संवेग प्रबंधन की तीन अवस्थाएं, तार्किक चिंतन, एबीसीडीई माडल, व्यवहारात्मक तकनीक, गहरी सांस तकनीक, निर्देशित कल्पना तकनीक, जेपीएमआर, एसआइटी आदि प्रमुख तकनीकों से प्रतिभागियों को भली-भांति अवगत कराकर प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम के दौरान सीआर ग्रुप आफ एजुकेशन एंड इंस्टीट्यूशन, पाली के चेयरमैन डा. मनीष यादव को मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक डा. वीएन यादव द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डा. राजवीर और रतन सिंह को भी कार्यक्रम आयोजक डा. पायल चंदेल और डा. प्रदीप कुमार, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

हकेंवि में साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम में चर्चा करते विशेषज्ञ ● सौ. एवक्ता

महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे हकेंवि के विद्यार्थी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भारतीय साहसिक संस्थान द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय यूथ रेडक्रास प्रशिक्षण और साहसिक कैंप में महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थी जीवन की गतिविधियां आजीवन उनका मनोबल बढ़ाएंगी व सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास भी करेंगी। कार्यक्रम संयोजक डा. दिनेश ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 सितंबर, तक इंडियन रेडक्रास सोसायटी हरियाणा शाखा चंडीगढ़ द्वारा आयोजित होने वाले शिविरों में विश्वविद्यालय के बीटेक-विद्युत अभियांत्रिकी का छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बी.वॉक- रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट वासुदेव जिला महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से चार विद्यार्थियों का चयन उनकी कर्त्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इन शिविरों में प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा राक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, आदि गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

शिविर के लिए रवाना होने से पहले कुलपति प्रो. टकेश्वर(दाए बैठे) के साथ छात्र● एवक्ता

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनएसएस ने की सफाई

संस, महेंद्रगढ़: देश भर में एक से 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकाली और विश्वविद्यालय परिसर साफ-सफाई की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर सभी को सफाई के महत्व से अवगत करवाते हुए स्वयं साफ-सफाई रखने तथा दूसरों को भी सफाई के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता होना बहुत जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. दिनेश चहल सहित स्वयंसेवक हितेश, शिवम, अनिकेत, पराक्रम, शुभम, सकलीन उपस्थित रहे।

साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम का चौथा दिन

विचार, भावना और व्यवहार के बीच की गतिशीलता और अंतर से करवाया अवगत

हकेंवि में साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम में चर्चा करते विशेषज्ञ।

महेंद्रगढ़, 15 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित साप्ताहिक जीवन कौशल कार्यक्रम का चौथे दिन का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के विशेषज्ञ परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक एवं शांति कार्यकर्त्ता डॉ. सुमित दत्ता ने प्रथम सत्र की शुरूआत बुधवार को दिए गए असाइनमैंट के विवेचन से किया।

उन्होंने प्रतिभागियों को विचारों, भावनाओं और व्यवहार के बीच की गतिशीलता और अंतर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ये किस तरह से व्यक्ति को उसके वातावरण में उपस्थित संघर्षों के साथ समायोजन स्थापित करने में मदद करते हैं। उन्होंने विख्यात मनोवैज्ञानिक कुर्ट लेविन के मॉडल के माध्यम से व्यक्ति के संघर्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इसके अलावा उन्होंने व्यक्तिगत अभ्यास, समूह कार्य और बड़े समूह प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विभिन्न कौशलों से भी परिचित करवाया और बताया कि इन कौशलों का उपयोग करके हम अपने और दूसरे लोगों के जीवन को कैसे सरल, सहज, उपयोगी, अर्थपूर्ण और उत्पादक बना सकते हैं।

डॉ. दत्ता ने विचार, भावना, व्यवहार और मनोवैज्ञानिक संप्रत्ययों को परिभाषित कर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया। साथ ही साथ व्यक्ति की संज्ञानात्मक विकृतियों की जानकारी देते हुए उनके उपचार के लिए संज्ञानात्मक तकनीकों में गहनता से प्रकाश डाला।

संवेग प्रबंधन की 3 अवस्थाएं, तार्किक चिंतन, ए.बी.सी.डी.ई. मॉडल, व्यवहारात्मक तकनीक, गहरी सांस तकनीक, निर्देशित कल्पना तकनीक, जे.पी.एम.आर., एस.आई.टी. आदि प्रमुख तकनीकों से प्रतिभागियों को भली-भांति अवगत कराकर प्रशिक्षित किया।

राज्य स्तरीय यूथ रैडक्रॉस प्रशिक्षण व साहसिक कैंप में महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे हकेंवि के विद्यार्थी

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थी भारतीय साहसिक संस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रैड क्रॉस प्रशिक्षण और साहसिक कैंप में महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन की गतिविधियां आजीवन उनका मनोबल बढ़ाएंगी व सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास भी करेंगी।

शिविर के लिए रवाना होने से पहले विद्यार्थी कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 सितम्बर तक इंडियन रैडक्रॉस सोसायटी हरियाणा शाखा चंडीगढ़ द्वारा आयोजित होने वाले शिविरों में विश्वविद्यालय के बी.टैक-विद्युत अभियांत्रिकी का छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बी.वॉक-रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमैंट वासुदेव जिला महेंद्रगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से 4 विद्यार्थियों का चयन उनकी कर्त्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इन शिविरों में प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, जूमारिंग, ट्रैकिंग, राइफल शूटिंग, रीवर क्रॉसिंग आदि गतिविधियों में हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सी.आर. ग्रुप ऑफ एजुकेशन एंड इंस्टीच्यूशन, पाली के चेयरमैन डॉ. मनीष यादव को मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक डॉ. वी.एन. यादव द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डॉ. राजवीर और रतन सिंह को भी कार्यक्रम आयोजक डॉ. पायल चंदेल और डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

'विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी'

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन, प्रो. एके भागी बोले- विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में से 15 हमारे शामिल होना चिंतनीय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में ओजोन सप्ताह के तहत विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. एके भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं जो कि चिंतनीय है।हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा।

विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. एके भागी को स्मृति चिह्न भेंट करतीं प्रो. नीलम। संवाद

कार्यक्रम में पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया।

'विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्वर्ण'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत विशेषज्ञ व्याख्यानकिया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित व्याख्यान में शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्त्तव्य है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और संपन्न रही है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। संवाद

विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण

हकेवि में हिंदी पखवाड़े के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान, 29 सितम्बर तक होंगे विभिन्न आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्त्तव्य है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और सम्पन्न रही है। भाषा के स्तर पर हिंदी इसके प्रचार-प्रसार में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में युवाओं और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपनी भाषा से प्रेम करने और उसका प्रचार-प्रसार करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकास के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी है जरूरी

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में वक्तव्य देते प्रो. एके भागी ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। प्रो. एके भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

प्रो. भागी ने कहा कि विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

'विज्ञान के प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्त्वपूर्ण'

जागरण संवाददाता, नारनौल: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाली कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहआचार्य डा. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्तव्य है। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में अपने विचार रखते डा. राहुल सिंघल ● सौ. संस्था

प्रस्तुत किया और बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डा. राहुल सिंघल ने कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और संपन्न रही है। भाषा के स्तर पर हिंदी इसके प्रचार-प्रसार में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। चीन, जापान आदि अनेक देशों के उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है, जिन्होंने स्वभाषा के बल पर विश्व में अपनी पहचान स्थापित की है। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है।

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में हिन्दी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिन्दी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाली कॉलेज, दिल्ली विवि, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार की दिशा में विवि निरंतर प्रयास कर रहा है। विवि राजभाषा अनुभाग व हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई।

Expert lecture organized at CUH

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH: An expert lecture was organized by the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and Department of Environmental Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh on Monday. In this expert lecture on 'Air Pollution and Sustainable Development in Delhi NCR Region', Prof. A. K. Bhagi, Dyal Singh College, University of Delhi was present as expert speaker while the program was presided over by the Dean of School of Interdisciplinary and Applied Sciences Prof. Neelam Sangwan. Expert speaker Prof. A.K. Bhagi said that the situation of air pollution in the country can be gauged from the fact that 15 of the most polluted cities in the world are from India. He said that all of us are spreading pollution directly or indirectly and in spite of all efforts, air pollution is increasing at a rapid pace. Prof. Bhagi told through various examples how air pollution is affecting our health and has reached alarming levels in India. He said that air pollution is increasing continuously due to various human and economic activities. Prof. Bhagi said that it is necessary to continue the development related activities and along with this, a concrete strategy will have to be worked out for the protection of the environment.

विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी : प्रो. भागी

जगत क्रान्ति ⏭ ईश्वर तिवारी

महेन्द्रगढ़ : महेन्द्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओजोन सप्ताह के तहत सोमवार को विवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. एके भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के

लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. एके भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं।

विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी-प्रो. ए.के. भागी

नारनौल, राजेश राज गोयल।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने

कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण फलसानिया ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्त्वपूर्ण- डॉ. राहुल सिंघल

नारनौल, राजेश राज गोयल।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्तव्य है। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितंबर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुलपति महोदय के दिशा-निर्देशन में हिंदी के क्रियान्वयन के मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और सम्पन्न रही है। भाषा के स्तर पर हिंदी इसके प्रचार-प्रसार में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर व विश्वगुरु बनाने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी, शोधार्थी अध्ययन-अध्यापन का कार्य अपनी भाषा हिंदी में करें। चीन, जापान आदि अनेक देशों के उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है जिन्होंने स्वभाषा के बल पर विश्व में अपनी पहचान स्थापित की है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में युवाओं और शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपनी भाषा से प्रेम करने और उसका प्रचार-प्रसार करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षकगण, शिक्षणेतर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी: प्रो. ए.के. भागी

महेंद्रगढ़, 19 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन वीक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

दिल्ली एन.सी.आर. क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में वक्तव्य देते प्रो. ए.के. भागी।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की।

विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से 15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है।

मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण लगातार बढ़ रहा वायु प्रदूषण

प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा कि विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा।

इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़े के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

विज्ञान के प्रचार-प्रसार में हिंदी की भूमिका महत्वपूर्ण: डॉ. राहुल सिंघल

विशेषज्ञ व्याख्यान में डॉ. राहुल सिंघल को स्मृति चिन्ह भेंट करती प्रो. सारिका शर्मा।

महेंद्रगढ़, 19 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विज्ञान में हिंदी की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के सह आचार्य डॉ. राहुल सिंघल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा का विकास करना हमारा कर्त्तव्य है।

विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग व हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत कुलगीत से हुई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और बताया कि हिंदी पखवाड़े के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 20 सितम्बर को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुलपति महोदय के दिशा-निर्देशन में हिंदी के क्रियान्वयन के मोर्चे पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

चीन, जापान आदि अनेक देशों ने स्वभाषा के बल पर विश्व में पहचान स्थापित की

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय पुरातन विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध और सम्पन्न रही है। भाषा के स्तर पर हिंदी इसके प्रचार-प्रसार में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर व विश्वगुरु बनाने के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी, शोधार्थी अध्ययन-अध्यापन का कार्य अपनी भाषा हिंदी में करें।

चीन, जापान आदि अनेक देशों के उदाहरण हमारे समक्ष मौजूद है जिन्होंने स्वभाषा के बल पर विश्व में अपनी पहचान स्थापित की है। डॉ. सिंघल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इस दिशा में अग्रसर है और अवश्य ही इसके माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार व भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में युवाओं और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपनी भाषा से प्रेम करने और उसका प्रचार-प्रसार करने का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षकगण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा भी जरूरी-प्रो. ए.के.भागी

महेंद्रगढ़, रीयल संवाद। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ओजोन विक के तहत सोमवार को विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा पर्यावरण विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण एवं सतत विकास विषय पर आधारित इस विशेष व्याख्यान में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. भागी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने की। विश्वविद्यालय के लघु सभागार में आयोजित इस व्याख्यान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ए.के. भागी ने बताया कि देश में वायु प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विश्व के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से

15 शहर भारत के हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण फैला रहे हैं और सभी प्रयासों के बावजूद वायु प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बताया कि वायु प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और भारत में खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न मानवीय व आर्थिक गतिविधियों के कारण वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रो. भागी ने कहा विकास संबंधी गतिविधियों को जारी रखना जरूरी है और इसके साथ-साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी ठोस रणनीति बनाकर काम करना होगा। इससे पूर्व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण में इस आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा। कार्यक्रम में आयोजन में पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करण पलसानिया ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

एसडी स्कूल ककराला में आयोजित अमर उजाला जलवा-2022 की झलकियां

सभी स्कूल के प्रतिभागियों ने बिखेरे अपने जलवे, श्रीकृष्णा स्कूल रहा प्रथम

एसडी स्कूल ककराला के छात्र विभिन्न खेलों में राज्य स्तर के लिए चयनित विद्यार्थी मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित होते हुए।

मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार

जगदेव यादव, चेयरमैन एसडी स्कूल

A MEDIA SOLUTION INITIATIVE

जज पैनल प्रस्तुती देने वाली टीम पर अपनी नजर बनाएं हुऐ ।

जलवा 2022 के आगाज से पूर्व मां सरस्वती पूजा करते सभी अतिथि।

एसडी स्कूल ककराला में अयोजित जलवा 2022 में लुत्फ उठाते दर्शक।

श्री कृष्णा स्कूल, महेंद्रगढ़

मुख्य अतिथि से जलवा 2022 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

आरआरसीएम स्कूल, कनीना

मुख्य अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से द्वितीय आने पर पुरस्कार से सम्मानित होते हुए।

बीजेआरडी स्कूल, रिवासा

मुख्य अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से द्वितीय आने पर पुरस्कार से सम्मानित होते हुए।

यूरो स्कूल, कनीना

प्रतिभागी मुख्य अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार से सम्मानित होते हुए।

यदुवंशी स्कूल, कनीना

संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त करने पर मुख्य अतिथि से पुरस्कृत।

नेशनल मॉडल स्कूल, महेन्द्रगढ़

मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार से विशेष सांत्वना पुरस्कार लेते हुए।

सरस्वती स्कूल, माजरा कलां

मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार से विशेष सांत्वना पुरस्कार लेते हुए।

गैलेक्सी स्कूल, बवानियां

मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार से सांत्वना पुरस्कार लेते हुए।

बीआर ज्ञानदीप स्कूल, सुरजनवास

मुख्य अतिथि वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार से सांत्वना पुरस्कार लेते हुए।

शहीद राव तुला राम स्कूल

प्रतिभागी मुख्य अतिथि द्वारा सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित होते हुए।

LECTURE ON AIR POLLUTION

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) organised a lecture on "Air pollution and sustainable development in the Delhi NCR region". Prof AK Bhagi from Dyal Singh College, University of Delhi, was the key speaker while Prof Neelam Sangwan, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, CUH, presided over the event. "The situation of air pollution in the country can be gauged from the fact that 15 of the most polluted cities in the world are from India. We all are spreading pollution directly or indirectly despite of all efforts," said Bhagi.

The Tribune
Wed, 21 September 2022
https://epaper.tribunei

हकेवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और शिक्षणेतर कर्मचारियों के कौशल में सुधार हेतु इस आयोजन के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तनाव प्रबंधन तकनीक, खरीद प्रक्रिया और भुगतान प्रक्रिया; निविदा सूचना, आरटीआई, आईटी क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी समस्याओं और उनके निवारण पर डॉ. पायल चंदेल, सहआचार्य; श्री नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष; डॉ. विनोद कुमार सिंह, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष; श्री सुंदर लाल शर्मा, सहायक कुलसचिव; श्री रामबीर गुर्जर, सहायक, और श्री अमित श्योराण, एसटीए ने प्रतिभागियों को विस्तार से बताया और उनकी समस्याओं का निवारण किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों के सफलतापूर्वक निष्पादन को गति मिलेगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि कार्यक्रम में छह प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विश्वविद्यालय के 40 शिक्षणेतर कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

हकेंवि : स्नातक में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी 29 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे।

विश्वविद्यालयीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के स्नातक पाठ्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से परिणाम घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है जो 29 सितंबर तक जारी रहेगी। इसके बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक में कुल 493 सीटें हैं। संवाद

कौशल सुधार कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। साथ ही शिक्षणेतर कर्मचारियों के कौशल सुधार के लिए इस कार्यक्रम की सराहना की। विश्वविद्यालय के शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तनाव प्रबंधन तकनीक, खरीद प्रक्रिया और भुगतान प्रक्रिया, निविदा सूचना, आरटीआई, आईटी क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी समस्याओं और उनके निवारण पर डॉ. पायल चंदेल, नरेश कुमार, डॉ. विनोद कुमार सिंह ने जानकारी दी। संवाद

हकेवि में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़ | हकेवि के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातक कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण बुधवार 21 सितंबर से शुरू हो गए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया 29 सितंबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कौशल में सुधार के लिए इस आयोजन के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से छात्रों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तनाव प्रबंधन तकनीक, खरीद प्रक्रिया, भुगतान प्रक्रिया, निविदा सूचना, आरटीआइ, आइटी क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी समस्याओं और उनके निवारण पर डा. पायल चंदेल, सह आचार्य नरेश कुमार,

उद्घाटन सत्र में उपस्थित हकेंवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर (मध्य हाफ जैकेट में) ● सौ. संस्था

सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष डा. विनोद कुमार, सुंदर लाल शर्मा, सहायक सचिव रामबीर गुर्जर, अमित श्योराण एसटीए ने प्रतिभागियों को विस्तार से बताया और उनकी समस्याओं का निवारण किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों के सफलतापूर्वक निष्पादन को गति मिलेगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने कहा कि कार्यक्रम में छह प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विश्वविद्यालय के 40 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

स्नातक में दाखिले के लिए 29 सितंबर तक कराएं पंजीकरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातक के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण 21 सितंबर से शुरू हो गए हैं। पंजीकरण की यह प्रक्रिया 29 सितंबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातक कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 30 सितंबर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी। दाखिले के इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेवि में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातक कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजो के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण बुधवार 21 सितंबर से शुरू हो गए है। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 29 सितंबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने यह जानकारी दी।

Registration has started for admission to Undergraduate Programs at CUH

Pradeep Mishra
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Common University Entrance Test (CUET) 2022 result for Undergraduate (UG) Programs has been declared by National Testing Agency (NTA). After that the process of admission to 493 seats available in Undergraduate programs in the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has reached the next stage. The registration for counseling for admission in Central University of Haryana has started from Wednesday, September 21. This process of online registration will continue till September 29. Merit list will be released after this process of registration. The Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future. Prof. Phool Singh, Nodal Officer, CUET-2022 said that after the declaration of the results of the entrance examination of undergraduate programs, the process of online registration has started for the candidates who want to take admission in the university. He informed that a total of 493 seats are available in Central University of Haryana for Undergraduate programmes. In which registration for admission can be done till September 29, 2022. After this, the merit list will be made

हकेंवि में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़, 21 सितम्बर, (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) 2022 के स्नातक कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में उपलब्ध 493 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काऊंसलिंग हेतु पंजीकरण 21 सितम्बर से शुरू हो गए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 29 सितम्बर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मैरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा-निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वैबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेंवि में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार।

महेंद्रगढ़, 21 सितम्बर, (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सी.बी.पी.) का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कौशल में सुधार हेतु इस आयोजन के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तनाव प्रबंधन तकनीक, खरीद प्रक्रिया और भुगतान प्रक्रिया, निविदा सूचना, आर.टी.आई., आई.टी. क्षेत्र से जुड़ी बुनियादी समस्याओं और उनके निवारण पर डॉ. पायल चंदेल, सह-आचार्य, नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. विनोद कुमार सिंह, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, सुंदर लाल शर्मा, सहायक कुलसचिव, रामबीर गुर्जर, सहायक और अमित श्योराण, एस.टी.ए. ने प्रतिभागियों को विस्तार से बताया और उनकी समस्याओं का निवारण किया।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों के सफलतापूर्वक निष्पादन को गति मिलेगी।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि कार्यक्रम में 6 प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विश्वविद्यालय के 40 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

उपलब्धि बंगलूरू में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हासिल किया अवॉर्ड

हकेंवि को मिला आईडीए एजुकेशन अवॉर्ड

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आईडीए एजुकेशन अवॉर्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

इंडिया डेडिकेट्स एसोसिएशन (आईडीए) की ओर से बंगलूरू में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवॉर्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह

आईडीए एजुकेशन अवार्ड ग्रहण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

अवार्ड मिलना सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है।

उल्लेखनीय है कि यह एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। इसलिए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 के लिए देश के 25 राज्यों के 1100 से अधिक शिक्षण संस्थानों से 2300 से अधिक नामांकन विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए थे। इसमें उच्च शिक्षा श्रेणी के तहत हकेंविवि को यह अवार्ड स्टूडेंड एंड फैकल्टी वेलबिंग अर्थात संस्थान व सहभागियों के हितों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की शैक्षणिक व भावनात्मक जरूरतों व डिजिटल वेलनेस के लिए प्रदान किया गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022

बेंगलुरू में आयोजित समारोह में मिला सम्मान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इंडिया डेडिकेट्स एसोसिएशन (आईडीए) द्वारा बेंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवार्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यह अवार्ड मिलना विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय को अवार्ड मिलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। यहां बता दें कि आईडीए अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित अवार्ड है। इसलिए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 के लिए देश के 25 राज्यों के 1100 से अधिक शिक्षण संस्थानों से 2300 से अधिक नामांकन विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए थे। जिसमें उच्च शिक्षा श्रेणी के तहत हकेंवि को यह अवार्ड स्टूडेंट एंड फैकल्टी वेलबिंग अर्थात संस्थान व सहभागियों के हितों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों की शैक्षणिक व भावनात्मक जरूरतों व डिजिटल वेलनेस के लिए प्रदान किया गया है।

हकेंवि को मिला आइडीए एजुकेशन अवार्ड

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आइडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इंडिया डेडिकेट्स एसोसिएशन (आइडीए) द्वारा बेंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवार्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यह अवार्ड मिलना विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात

आइडीए एजुकेशन अवार्ड लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (मध्य में) ● प्रवक्ता

है। विश्वविद्यालय को अवार्ड मिलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों और सहयोगियों को दिया है।

पंजाब केसरी
FRI,23 SEPTEMBE
EDITION: REWARI

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला आई.डी.ए. एजुकेशन अवार्ड-2022

महेंद्रगढ़, 22 सितम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आई.डी.ए. एजुकेशन अवार्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इंडिया डैडिकेट्स एसोसिएशन (आई.डी.ए.) द्वारा बेंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवार्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यह अवार्ड मिलना विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय को अवार्ड मिलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला का हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से शुक्रवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के उपकुलसचिव आनंद सोनी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है और मुझे खुशी है कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शिक्षणेतर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय

विषय विशेषज्ञ आनंद सोनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते।

प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी ऐसी कायार्शालाओं का आयोजन होता रहेगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। सके पश्चात विश्वविद्यालय के वित्तअधिकारी डॉ. विकास कुमार ने स्मृति चिह्न देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हकेंवि : पुनीत और अनीश करेंगे एम्स में अध्ययन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक मोर्चे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बीवॉक बायो मेडिकल साइंसेज के दो विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश मिला है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों की सराहना की। बीवॉक. बायो मेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत को बायो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर और अनीश कुमार चौहान को मास्टर्स इन मेडिकल बायो केमिस्ट्री में उच्च शिक्षा करने का अवसर मिला है। बता दें कि एम्स, नई दिल्ली एमएससी मेडिकल बायो केमिस्ट्री में 6 विद्यार्थियों और अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर जैव प्रौद्योगिकी में 18 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा पास की। बीवॉक बायो मेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत को बायो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर में तथा अनीश कुमार चौहान को मास्टर्स इन मेडिकल बायो केमिस्ट्री में उच्च शिक्षा करने का अवसर मिला है। संवाद

'दफ्तर में हिंदी में कार्य के लिए प्रशिक्षण जरूरी'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की ओर से कार्यालय के कार्यों में हिंदी के प्रयोग पर कार्यशाला की गई। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के उप कुलसचिव आनंद सोनी उपस्थित रहे। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यालय के कार्यों में हिंदी के प्रयोग के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। कर्मचारियों के लिए मददगार साबित होगा। डॉ. विकास कुमार ने कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालय के कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। वडॉ. विकास कुमार ने स्मृति चिह्न देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया।

सांकेतिक भाषा पर किया मंथन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर उच्च शिक्षा संस्थान में बधिर विद्यार्थियों को शामिल करने की चुनौतियों पर वेबिनार के माध्यम से मंथन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि और आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग के सह आचार्य डॉ. आलोक कुमार उपाध्याय विशेषज्ञ वक्ता रहे।

इस दौरान प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन एवं महत्व पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण किया। डॉ. आलोक कुमार उपाध्याय ने समावेश का अर्थ एवं महत्व बताया और योजनाओं पर चर्चा की। शिक्षक एवं विद्यार्थी की समस्याओं तथा समाधान पर प्रकाश डाला। प्रो. सारिका शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थाओं कि भूमिका पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. मंजू ने किया। संवाद

हकेंवि के दो विद्यार्थियों का एम्स में हुआ चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने शैक्षणिक स्तर पर एक बार फिर से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस कड़ी में व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बी वाक बायोमेडिकल साइंसेज के दो विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बता दें कि एम्स नई दिल्ली एमएससी मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में छह विद्यार्थी और अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर जैव प्रौद्योगिकी में 18 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा पास की। जिसके उपरांत बी वाक बायोमेडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत को बायो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर तथा अनीश कुमार चौहान को मास्टर्स इन मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में उच्च शिक्षा करने का अवसर मिला है।

हकेंवि में हिंदी पर कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से शुक्रवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली के उपकुलसचिव आनंद सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को लेकर निरंतर प्रयास कर रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया हुआ है। राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिंदी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के

आनंद सोनी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते डा. विकास कुमार ● सौ. संस्था

कर्मचारियों को हिंदी के कार्यालयीन प्रयोग में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार ने स्मृति चिह्न देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर वेबिनार आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा संस्थान में श्रवण बाधित शिक्षार्थियों को शामिल करने की जिम्मेदारियां एवं चुनौतियां विषय पर वेबिनार का आयोजन किया।

वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि तथा आल इंडिया इंस्टिट्यूट आफ स्पीच एंड हियरिंग के सहआचार्य डा. आलोक कुमार उपाध्याय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए वेबिनार की रूप रेखा प्रस्तुत की। वेबिनार में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन एवं महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का उल्लेख किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अभियान के माध्यम से आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण किया गया।

विशेषज्ञ वक्ता डा. आलोक कुमार उपाध्याय समावेश का अर्थ एवं महत्व बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए दिव्यांगजनों के शिक्षा में समावेश एवं बदलाव की रूपरेखा प्रस्तुत की।

TWO STUDENTS OF CUH GOT ADMISSION TO AIIMS FOR PG PROGRAMME

MAHENDARGARH(TIT NEWS): Once again, students of the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have shown excellent performance on the academic front. Two students of B. Voc. Biomedical Sciences, Department of Vocational Studies and Skill Development got admission into the post-graduation program at the prestigious All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi. Punit got admission in a master's in Biotechnology and Anish Kumar Chauhan got admission in Masters's in Medical Biochemistry. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the students for their achievements. AIIMS, New Delhi offers admission to 06 students in M.Sc Medical Biochemistry and 18 Students in Biotechnology on an all-India entrance basis. Both students cleared the entrance exam.

पंजाब केसरी
SAT,24 SEPTEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि के 2 विद्यार्थियों को मिला एम्स में अध्ययन करने का अवसर

महेंद्रगढ़, 23 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ ने शैक्षणिक मोर्चे पर एक बार फिर से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इस कड़ी में व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बी.वॉक. बायोमैडिकल साइंसेज के 2 विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यहां बता दें कि एम्स, नई दिल्ली एम.एससी. मैडिकल बायोकैमिस्ट्री में 6 विद्यार्थियों और अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर जैव प्रौद्योगिकी में 18 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दोनों विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा पास की, जिसके उपरांत बी.वॉक बायोमैडिकल साइंसेज के विद्यार्थी पुनीत को बायोटैक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर में तथा अनीश कुमार चौहान को मास्टर्स इन मैडिकल बायोकैमिस्ट्री में उच्च शिक्षा करने का अवसर मिला है।

पंजाब केसरी
SAT,24 SEPTEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 5

हकेंवि में मनाया अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस

दिव्यांगजनों के शिक्षा में समावेश एवं बदलाव की रूपरेखा पेश

महेंद्रगढ़, 23 सितम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर उच्च शिक्षा संस्थान में श्रवण बाधित शिक्षार्थियों को शामिल करने की जिम्मेदारियां एवं चुनौतियां विषय पर वैबिनार का आयोजन किया गया। वैबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि तथा आल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग के सह-आचार्य डॉ. आलोक कुमार उपाध्याय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. गौरव सिंह ने मुख्यातिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत करते हुए वैबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। वैबिनार में मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समावेशी शिक्षा के क्रियान्वयन एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का उल्लेख किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के माध्यम से आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण किया गया। साथ ही आजादी के महत्व और आजाद भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. अलोक कुमार उपाध्याय समावेश का अर्थ एवं महत्व बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए दिव्यांगजनों के शिक्षा में समावेश एवं बदलाव की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों को लेकर समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए उनके समाधान पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिव्यांगों के समावेश के साथ ही शिक्षा में प्रौद्योगिकी का भी समावेश करने पर प्रकाश डाला।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने इस आयोजन के विषय में बताया और इसके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भारतीय समाज की मानसिकताओं एवं दृष्टिकोण को परिवर्तित करने पर जोर दिया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी भी शामिल हुए। सहायक आचार्य डॉ. मंजु ने मंच संचालन का कार्य किया एवं डॉ. सरन प्रसाद ने मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में सहायक आचार्य डॉ. रुबुल कलिता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से शुक्रवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के उपकुलसचिव आनंद सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर निरंतर प्रयास कर रहा है।

हकेंवि में कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी को सम्मानित करने का दृश्य।

इसके लिए विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया हुआ है। राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग के लिए हिन्दी का प्रशिक्षण आवश्यक है। कुलपति ने कहा कि इस प्रकार का व्यावहारिक प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग में मददगार साबित होगा। उन्होंने कार्यशाला के विशेषज्ञ का भी आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है और मुझे खुशी है कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन होता रहेगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारे आनंद सोनी ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने राजभाषा अधिनियमों के विभिन्न नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार ने स्मृति चिन्ह देकर विशेषज्ञ को सम्मानित किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को मिला आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022

बैंगलुरु में आयोजित एक समारोह में मिला सम्मान

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 अपने नाम किया है। विश्वविद्यालय को यह अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। इंडिया डेडिकेट्स एसोसिएशन (आईडीए) द्वारा बैंगलुरू में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से यह अवार्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ग्रहण किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को यह अवार्ड मिलना विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय को अवार्ड मिलना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। यहाँ बता दें कि आईडीए अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित अवार्ड है इसलिए आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 के लिए देश के 25 राज्यों के 1100 से अधिक शिक्षण संस्थानों से 2300 से अधिक नामांकन विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त हुए थे।

देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान: डॉ. बिजेंद्र कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के कारण देश व समाज के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है जिसका सीधा फायदा लोगों को हो रहा है। देश में सोशल मीडिया के प्रयोग में भारी बढ़ोतरी हुई है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर कालेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्याख्यान के विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सोशल मीडिया की विकास संचार में भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के साथ एक साथ संपर्क करने व उन्हें सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना आसान हो गया है। लोग चूंकि सोशल मीडिया से जुड़ें हुए हैं इसलिए सरकारों को भी सोशल मीडिया पर पहुंचना जरूरी हो गया है। उन्होंने भारत सरकार के कई मंत्रालयों में हुई घटनाओं का वर्णन करते हुए बताया कि किस तरह से सरकार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को दैनिक समस्याओं का हल कर रही है।विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता डॉ. बिजेन्द्र कुमार का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया विकासात्मक संचार के लिए बडा उपयोगी एवं सशक्त माध्यम है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसका यूजर है। यह यूजर पर ही निर्भर करता है कि वह इस मंच का किस तरह से प्रयोग करता है। भारत जैसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया का सही उपयोग है तो यही सही अर्थों में विकास का एक बड़ा माध्यम साबित हो सकता है। भारत जैसे विविध देश व उसके वर्ग को जोड़ने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। आज किसान से लेकर कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, उद्यमशील सभी लोग सोशल मीडिया का प्रयोग अपने जीवन व व्यापार को बेहतर करने में प्रयोग कर रहे हैं। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया को उद्यमशीलता के नए माध्यम के रूप में देखे। भविष्य में देश को यूटयूबर व सोशल मीडिया प्रबंधकों की जरूरत है। इसके लिए उन्हें खुद को तैयार करने की जरूरत है। इस मौके पर इस व्याख्यान के संचालक डॉ. नीरज करन सिंह ने उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा, गौरव व विभाग के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. बिजेंद्र कुमार के साथ विभाग के शिक्षक।

सोशल मीडिया की भूमिका पर डाला प्रकाश

डॉ. अशोक बोले- सोशल मीडिया संचार का उपयोगी और सशक्त माध्यम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। देश और समाज के विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के कारण लोगों की जागरूकता बढ़ी है। ये बातें दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आंबेडकर कॉलेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डॉ. बिजेंद्र कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में आयोजित व्याख्यान में संबोधित करते हुए कहीं।

हकेंवि में व्याख्यान का आयोजन

व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. बिजेंद्र कुमार के साथ विभाग के शिक्षक। संवाद

इस दौरान हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के साथ एक साथ संपर्क करने व उन्हें सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का प्रयोग लोगों को जागरूक करने व उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए। इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलू हैं जिन पर नियमन की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया विकासात्मक संचार के लिए बड़ा उपयोगी एवं सशक्त माध्यम है। आज किसान से लेकर कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, उद्यमशील सभी लोग सोशल मीडिया का प्रयोग अपने जीवन व व्यापार को बेहतर करने में प्रयोग कर रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा, गौरव व विभाग के विद्यार्थी मौजूद रहे।

विकास में इंटरनेट मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान : डा. बिजेंद्र

हकेंवि में आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डा. बिजेंद्र कुमार को स्मृतिचिन्ह भेंट करते शिक्षक ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: देश और समाज के विकास में इंटरनेट मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। इंटरनेट मीडिया के कारण देश व समाज के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है जिसका सीधा फायदा लोगों को हो रहा है। देश में सोशल मीडिया के प्रयोग में बढ़ोतरी हुई है। यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. भीमराव आंबेडकर कालेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डा. बिजेंद्र कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्याख्यान के विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा सोशल मीडिया की विकास संचार में भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए डा. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि देश व समाज के विकास में इंटरनेट मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। डा. बिजेंद्र कुमार ने आजादी से पूर्व एवं वर्तमान समय में मीडिया के विकास में भूमिका पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता डा. बिजेंद्र कुमार का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में इंटरनेट मीडिया विकासात्मक संचार के लिए बड़ा उपयोगी एवं सशक्त माध्यम है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसका यूजर है। इस मौके पर व्याख्यान के संचालक डा. नीरज करन सिंह ने उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डा. पंकज कुमार, डा सुरेंद्र, आलेख नायक, डा. भारती बत्रा, गौरव और विभाग के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

25 Sep 2022

विकास में सोशल मीडिया का योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंदगढ

देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के कारण देश व समाज के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है, जिसका सीधा फायदा लोगों को हो रहा है। देश में सोशल मीडिया के प्रयोग में भारी बढ़ोतरी हुई है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आंबेडकर कॉलेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्याख्यान के विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

महेंद्रगढ़। व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. बिजेंद्र कुमार के साथ विभाग के शिक्षक।

डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व एवं वर्तमान समय में मीडिया की विकास में भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि आजादी मिलने से पहले पत्रकारिता मुख्यतः भारत की अर्थव्यवस्था की दशा-दिशा के ईद-गिर्द होती थी एवं स्वतंत्रता के बाद पत्रकारिता का मुख्य उददेश्य सरकारी नीतियों के बारे में जन-जन तक सूचना पहुंचाना था। परन्तु आज के समय में सोशल मीडिया के जरिए आमजन सरकार तक परस्पर संवाद भी कर पा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा व गौरव व विभाग के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

पंजाब केसरी
SUN,25 SEPTEMBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदानः डॉ. बिजेंद्र

हकेंवि में आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. बिजेंद्र कुमार के साथ विभाग के शिक्षक।

महेंद्रगढ़, 24 सितम्बर (मोहन, परमजीत): देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। सोशल मीडिया के कारण देश व समाज के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ी है जिसका सीधा फायदा लोगों को हो रहा है।

यह विचार दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर कालेज के पत्रकारिता विभाग में प्राध्यापक डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने हकेंवि, महेंद्रगढ़ में व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्याख्यान के विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे।

डॉ. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि देश व समाज के विकास में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मोबाइल कनैक्टिविटी के कारण अधिकतर लोग सोशल मीडिया का प्रयोग कर रहे हैं।

भारत जैसे देश में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के साथ एक साथ संपर्क करने व उन्हें सरकार की योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी पहुंचाना आसान हो गया है। लोग चूंकि सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं इसलिए सरकारों को भी सोशल मीडिया पर पहुंचना जरूरी हो गया है। उन्होंने भारत सरकार के कई मंत्रालयों में हुई घटनाओं का वर्णन करते हुए बताया कि किस तरह से सरकार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को दैनिक समस्याओं का हल कर रही है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का प्रयोग लोगों को जागरूक करने व उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए। किंतु इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पहलू हैं जिन पर नियमन की आवश्यकता है।

भारत जैसे विविध देश को जोड़ने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका

डॉ. बिजेन्द्र कुमार ने आजादी से पूर्व एवं वर्तमान समय में मीडिया की विकास में भूमिका पर चर्चा की। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने मुख्य वक्ता डॉ. बिजेन्द्र कुमार का विश्वविद्यालय में स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया विकासात्मक संचार के लिए बड़ा उपयोगी एवं सशक्त माध्यम है।

भारत जैसे विविध देश व उसके वर्ग को जोड़ने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। आज किसान से लेकर कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, उद्यमशील सभी लोग सोशल मीडिया का प्रयोग अपने जीवन व व्यापार को बेहतर करने में प्रयोग कर रहे हैं। इस मौके पर इस व्याख्यान के संचालक डॉ. नीरज करन सिंह ने उनका आभार प्रकट किया। इस दौरान डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा व गौरव व विभाग के सभी विद्यार्थी मौजूद थे।

सात दिवसीय साहसिक शिविर में हकेंविवि के चार विद्यार्थी शामिल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के चार विद्यार्थियों ने भारतीय साहसिक संस्थान की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण और साहसिक शिविर में जिले का प्रतिनिधित्व किया। इसमें प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया।

नैनीताल के चाफी में आयोजित शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से बीटेक विद्युत अभियांत्रिकी के छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बीवॉक रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट वासुदेव ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि ऐसे शिविरों से विद्यार्थियों में सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास होता है। शिविर के निदेशक रोहित शर्मा ने युवाओं को रेडक्रॉस के सिद्धांतों पर चलकर मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशे की चपेट में युवाओं का आना समाज के लिए चिंता का विषय है। यदि हम दृढ़ संकल्प लें तो नशे जैसी गलत आदतों से बचकर एक सभ्य समाज के निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 मई तक किया गया। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवाओं ने रॉक क्लाईंबिंग, रैपलिंग, ट्रैकिंग, राइफल शूटिंग, रिवर क्रासिंग गतिविधियों में हिस्सा लिया। संवाद

हकेंविवि के विद्यार्थियों ने किया जापानी कंपनी का भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने रविवार को ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड नीमराना का औद्योगिक भ्रमण किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि व्यावहारिक ज्ञान के लिए औद्योगिक भ्रमण आवश्यक है। इससे क्षेत्र में हो रहे नवाचार को जानने-समझने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता व प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विभाग के ध्यक्ष डॉ. फूल सिंह ने प्रिंटिंग और पैकेजिंग कामहत्व बताया। कहा कि वर्तमान समय में बिना अच्छी पैकेजिंग के किसी भी वस्तु के व्यवसाय की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। औद्योगिक भ्रमण की अध्यक्षता सहायक आचार्य व प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य निशान सिंह ने की।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक योशुकु फुजीवारा, सीएमओ रुचि असाई, मानव एएम डिजाइन कुलदीप, सतीश वर्मा व सेल्स एवं मार्केटिंग के अनुज उपस्थित रहे। उन्होंने भविष्य में भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के औद्योगिक भ्रमण के साथ रोजगार उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। इस औद्योगिक यात्रा में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडू, शम्मी मेहरा, तरुण सिंह ने विभाग के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। संवाद

हकेवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, नीमराना का औद्योगिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के औद्योगिक भ्रमण क्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि के लिए आवश्यक है और इससे क्षेत्र में हो रहे नवाचार को जानने-समझने का अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. फूल सिंह ने प्रिंटिंग और पैकेजिंग के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान समय में बिना अच्छी पैकेजिंग के किसी भी वस्तु के व्यवसाय की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस औद्योगिक भ्रमण की अध्यक्षता सहायक आचार्य व प्रभारी संदीप बूरा तथा सहायक आचार्य निशान सिंह ने की। उन्होंने बताया कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग विद्यार्थियों के लिए समय-समय इस तरह के औद्योगिक भ्रमण, कार्यशालाएं एवं तकनीकी यात्राएं आयोजित करता रहता है। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान ओजेआई इंडिया पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक योशुकु फुजीवारा, सीएमओ रूचि असाई, मानव संसाधन प्रमुख जितेंद्र कुमार, एएम डिजाइन कुलदीप, सतीश वर्मा व सेल्स एवं मार्केटिंग के अनुज उपस्थित रहे। उन्होंने भविष्य में भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए इस तरह के औद्योगिक भ्रमण के साथ रोजगार उपलब्ध करवाने का भी आश्वासन दिया। इस औद्योगिक यात्रा में विभाग के शिक्षक अनिल कुंडु, शम्मी मेहरा व तरुण सिंह ने विभाग के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

'औद्योगिक भ्रमण क्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि के लिए आवश्यक है'

हकेंवि के विद्यार्थी साहसिक शिविर में हुए शामिल

महेंद्रगढ़, 25 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के विद्यार्थियों ने भारतीय साहसिक संस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रैडक्रॉस प्रशिक्षण और साहसिक शिविर में महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व किया। शिविर में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 63 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिसमें सभी प्रतिभागियों को उनके द्वारा इस 7 दिवसीय साहसिक शिविर में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

साहसिक शिविर के समापन अवसर पर हकेंवि के विद्यार्थी।

नैनीताल के चाफी में आयोजित हुए इस साहसिक शिविर में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से बी.टैक-विद्युत अभियांत्रिकी का छात्र शिवम कुमार, साई गणेश, हितेश शर्मा व बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमैंट वासुदेव ने हिस्सा लिया और जिले का प्रतिनिधित्व किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस तरह के शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों में सकारात्मकता, टीम भावना, साहस, धैर्य आदि गुणों का विकास करने में मदद मिलती है।

शिविर के समापन समारोह में शिविर निदेशक रोहित शर्मा ने युवाओं को रैडक्रॉस के सिद्धांतों पर चलकर मानवता की सेवा के लिए प्रेरित किया और कहा कि मानवता की सेवा ही वास्तव में परमात्मा की सच्ची सेवा कहलाती है और रैडक्रॉस इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है जो पिछले 159 सालों से मानवता की सेवा कर रहा है और विश्व में यह एक ऐसी इकलौती संस्था है जो 4 बार नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है।

कर्त्तव्यनिष्ठा को मद्देनजर रखते हुए किया छात्रों का चयन

उन्होंने नशा मुक्ति की आवश्यकता पर कहा कि धूम्रपान व नशीले पदार्थों का दिन-प्रतिदिन युवाओं द्वारा सेवन किया जाना समाज के लिए चिंता का विषय है। यदि हम यह दृढ़संकल्प करें तो नशे जैसी गलत आदतों से बचकर एक सभ्य समाज के निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकते हैं। शिविर के महासचिव डॉ. मुकेश अग्रवाल के दिशा-निर्देश में हरियाणा रैडक्रॉस विभिन्न कार्यक्रम और जनकल्याण गतिविधियां सफलतापूर्वक चला रही है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि इन शिविरों का आयोजन 15 से 21 मई तक किया गया। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, जूमारिंग, ट्रैकिंग, राइफल शूटिंग, रिवर क्रॉसिंग आदि गतिविधियों में हिस्सा लिए। विश्वविद्यालय से चार छात्रों का चयन उनकी कर्त्तव्यनिष्ठा को मद्देनजर रखते हुए किया गया था। उन्होंने बताया कि जो स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और जागरूकता अभियान में सक्रिय योगदान देते हैं उन्हें विभिन्न कैंप में जाने का मौका मिलता है।

हकेवि में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित व्याख्यान आयोजित

हकेवि में प्रोबायोटिक बैक्टीरिया पर केन्द्रित आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय ज्ञाप परम्परा और उसमें उल्लिखित भोजन संबंधित विषय पर प्रकाश डाला।

कुलपति ने कहा कि भारतीय पुरातन ज्ञान को वैज्ञानिक नजरिए से समझने में इस तरह के आयोजन मददगार साबित होते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के जैनेटिक विभाग के प्रो. संतोष कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति का स्वागत शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. संतोष कुमार तिवारी का स्वागत बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बिजेंद्र सिंह ने किया और विभाग के डॉ. रामगोपाल ने उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता ने अपने संबोधन में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया एवं उनके द्वारा संश्लेषित बैक्टिरियोसिन के लाभ के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह बैक्टिरियोसिन मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं तथा रोग फैलाने वाले कीटाणुओं के लिए विनाशक की भूमिका भी निभाता है। यहां बता दें कि प्रो. तिवारी ने बैक्टिरियोसिन एलडी 3 की खोज की है। उन्होंने अपने संबोधन में अपनी इस खोज के विषय में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी। इस आयोजन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रवि कुमार ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर वेबिनार आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़ (हरियाणा) केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन किया और फार्मासिस्टों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के संचालन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कोलंबिया से सुश्री डेनिएला डाजा पाज तथा मलेशिया से प्रो. पलानीसामी शिवानंदी उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों से संवाद का अवसर मिल सके।

हकेवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

वेबिनार की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री डेनिएला डाजा पाज ने कोलंबिया में फार्मासिस्टों की भूमिका और जिम्मेदारी के साथ-साथ फार्मेसी स्नातकों के लिए कैरियर के अवसरों पर जोर दिया। दूसरी ओर प्रो. पलानीसामी ने पॉलीफार्मेसी और जेरियाट्रिक पेशेंट्स फॉल्स के साथ इसके जुड़ाव पर बातचीत की।

कार्यक्रम के प्रमुख एवं संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने फार्मासिस्ट की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय, मलेशिया; बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा; भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय; मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार सहित भारत और विदेशों के 150 से अधिक शोधार्थी और संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर फार्मासिस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियों को जाना।

डॉ. मनीषा पांडे और डॉ. अशोक जांगड़ा आयोजन के आयोजक व एम्सी थे। इसके अतिरिक्त डॉ. सुमित कुमार और डॉ. तरुण कुमार ने टीम के सदस्यों के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. प्रगति गुप्ता, प्रो. सुमित्रा सिंह, प्रो. पार्ले आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

हकेंविवि में कर्मचारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय की सूचना वैज्ञानिक डॉ. विनीता मलिक ने गतिविधि आधारित कार्यशाला का संचालन किया। लगभग 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कर्मचारियों में कौशल विकास बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं को महत्वपूर्ण बताते हुए केंद्रीय पुस्तकालय की सराहना की। कार्यशाला में सकारात्मक विचार प्रक्रिया, सकारात्मक मनोविज्ञान की भूमिका और आंतरिक शक्ति में सुधार के लिए दैनिक अभ्यास जैसे मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच आदि रहे। संवाद

हकेंवि में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर की चर्चा

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के बायोटेक्नोलाजी विभाग ने प्रोबायोटिक बैक्टिरिया पर केंद्रित एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारतीय ज्ञाप परंपरा और उसमें उल्लिखित भोजन संबंधित विषय पर प्रकाश डाला।

आयोजित सेमीनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. वक्ता

कुलपति ने कहा कि भारतीय पुरातन ज्ञान को वैज्ञानिक नजरिए से समझने में इस तरह के आयोजन मददगार साबित होते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के जैनेटिक विभाग के प्रो. संतोष कुमार तिवारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय कुलपति का स्वागत शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. संतोष कुमार तिवारी का स्वागत बायोटेक्नोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बिजेंद्र सिंह ने किया और विभाग के डा. रामगोपाल ने उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता ने अपने संबोधन में प्रोबायोटिक बैक्टिरिया एवं उनके द्वारा संशलेषित बैक्टिरियोसिन के लाभ के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह बैक्टिरियोसिन मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं तथा रोग फैलाने वाले कीटाणुओं के लिए विनाशक की भूमिका भी निभाता है। यहां बता दें कि प्रो. तिवारी ने बैक्टिरियोसिन एलडी 3 की खोज की है। आयोजन के अंत में डा. रवि कुमार ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

वेबिनार में फार्मासिस्टों के महत्त्व पर दिया जोर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार में फार्मासिस्टों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के संचालन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कोलंबिया से सुश्री डेनिएला डाजा पाज तथा मलेशिया से प्रो. पलानीसामी शिवानंदी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाई ओर नीचे वाली लाइन में सबसे पहले) ● सौ. प्रवक्ता

स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों से संवाद का अवसर मिल सके। वेबिनार की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री डेनिएला डाजा पाज ने कोलंबिया में फार्मासिस्टों की भूमिका और जिम्मेदारी के साथ-साथ फार्मेसी स्नातकों के लिए कैरियर के अवसरों पर जोर दिया। दूसरी ओर प्रो. पलानीसामी ने पालीफार्मेसी और जेरियाट्रिक पेशेंट्स फॉल्स के साथ इसके जुड़ाव पर बातचीत की। कार्यक्रम के प्रमुख एवं संयोजक डा. दिनेश कुमार ने फार्मासिस्ट की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय, मलेशिया, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, भीम राव आंबेडकर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार सहित भारत और विदेशों के 150 से अधिक शोधार्थी और संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर फार्मासिस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियों को जाना।

डा. मनीषा पांडे और डा. अशोक जांगड़ा आयोजन के आयोजक व एम्सी थे। इसके अतिरिक्त डा. सुमित कुमार और डा. तरुण कुमार ने टीम के सदस्यों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. प्रगति गुप्ता, प्रो. सुमित्रा सिंह, प्रो. पार्ले आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

हकेवि में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर वेबिनार आयोजित

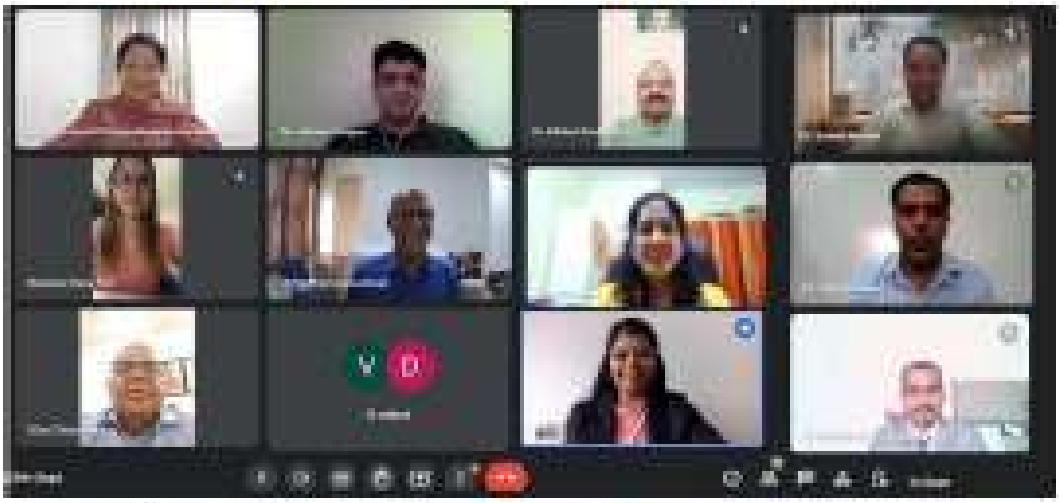

नारनौल, राजेश राज गोयल, 26 सितंबर 2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन किया और फार्मासिस्टों के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम के संचालन के लिए फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की। वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कोलंबिया से सुश्री डेनिएला ड्राज़ा पाज़ तथा मलेशिया से प्रो. पलानीसामी शिवानंदी उपस्थित रहे। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों व शोधार्थियों को बाहरी विशेषज्ञों से संवाद का अवसर मिल सके। वेबिनार की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री डेनिएला ड्राज़ा पाज़ ने कोलंबिया में फार्मासिस्टों की भूमिका और जिम्मेदारी के साथ-साथ फार्मेसी स्नातकों के लिए कैरियर के अवसरों पर जोर दिया। दूसरी ओरप्रो. पलानीसामी ने पॉलीफार्मेसी और जेरियाट्रिक पेशेंट्स फॉल्स के साथ इसके जुड़ाव पर बातचीत की। कार्यक्रम के प्रमुख एवं संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने फार्मासिस्ट की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेबिनार में अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विश्वविद्यालय, मलेशिया; बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा; भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय; मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार सहित भारत और विदेशों के 150 से अधिक शोधार्थी और संकाय सदस्यों ने प्रतिभागिता कर फार्मासिस्ट की भूमिका और जिम्मेदारियों को जाना। डॉ मनीषा पांडे और डॉ अशोक जांगड़ा आयोजन के आयोजक व एमसी थे। इसके अतिरिक्त डॉ सुमित कुमार और डॉ तरुण कुमार ने टीम के सदस्यों के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रो. प्रगति गुप्ता, प्रो. सुमित्रा सिंह, प्रो. पार्ले आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विवि में में वेबिनार का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि में फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग और स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वेबिनार का उद्घाटन किया और फार्मासिस्टों के महत्व पर जोर दिया।

हकेवि में विश्व पर्यटन दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान, आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव सहित डॉ. मनोज माता, श्री हमेश शर्मा व श्री प्रवीन खिमटा ने भी विद्यार्थियों व प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो व्यक्ति पर्यटन नहीं करता, वह अपने जीवन को आधा ही जी पाता है। पर्यटन किसी भी व्यक्ति को जानने समझने के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराता है और अवश्य ही विभाग में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता वर्ना यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट, बुल्गारिया में प्रोफेसर और वाइस रेक्टर, रिसर्च, प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव ने अपने संबोधन में विश्व पर्यटन दिवस के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद, सभी हितधारकों को कुशल रणनीति विकसित करनी चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सके। इसी क्रम में समूह चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद किया। इस चर्चा में कार्यकारी सदस्य आईएटीओ और ओरिएंटल वेकेशन एंड जर्नी, नई दिल्ली के संस्थापक डॉ. मनोज माता, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ट्रैवल ट्रेंगल, नई दिल्ली के श्री हमेश शर्मा व माइस प्रो ट्रैवल सॉल्यूशंस, नई दिल्ली के श्री प्रवीन खिमटा ने विद्यार्थियों के सवालों को जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इसी क्रम में विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में एक्सप्लोर योर ओन बैकयार्ड, हेरिटेज वॉक सरीखी गतिविधियों का भी आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पर्यटन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों की सराहना की। डॉ. अनिल कुमार ने कार्यक्रम में द्वारा स्वागत भाषण दिया तथा श्री विकास सिवाच ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हकेवि में आयोजित ऑनलाइन में व्याख्यान में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। **आज समाज**

'ज्ञान बढ़ाने के लिए पर्यटन जरूरी'

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव सहित डॉ. मनोज , हमेश शर्मा व प्रवीन खिमटा ने विद्यार्थियों से संवाद किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ज्ञान बढ़ाने के लिए पर्यटन जरूरी है। जो व्यक्ति पर्यटन नहीं करता, वह अपने जीवन को आधा ही जी पाता है। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता वर्ना यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट, बुल्गारिया में प्रोफेसर और वाइस रेक्टर, रिसर्च, प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव ने संबोधित किया। संवाद

संस्कृत प्राचीन गौरव की पहचान : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत हमारे प्राचीन गौरव की पहचान होने के साथ-साथ हमारे वर्तमान समाज के लिए अत्यंत उपयोगी भाषा है।

मुख्य वक्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री उपस्थित रहे। डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री ने कहा कि संस्कृत प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है तथा सर्वजन प्रिय होने के साथ सरल एवं आनंददायक भाषा है। संस्कृत भाषा में ही भारतीय ज्ञान परंपरा का समस्त वैभव सुरक्षित है। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डॉ. सुमन रानी ने किया । सहायक आचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में शिक्षक और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कुलपति ने किया आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। कुलपति ने कहा कि आधार कार्ड महत्वपूर्ण दस्तावेज है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जरूरतों को देखते हुए आधार सेवा केंद्र की शुरुआत की गई है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन के विश्वविद्यालय के सहभागियों को परिसर में ही विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आधार सेवा केंद्र भी ऐसी ही एक शुरूआत है। संवाद

केंद्रीस विश्वविद्यालय में आधार सेवा केन्द्र की शुरूआत

महेंद्रगढ़ | हकेंविवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया। कुलपति ने कहा कि आधार कार्ड एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जरूरतों को देखते हुए आधार सेवा केन्द्र की शुरुआत की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विवि कुलपति के कुशल मार्गदर्शन के विश्वविद्यालय के सहभागियों को परिसर में ही विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आधार सेवा केन्द्र भी ऐसी ही एक शुरूआत है। आधार सेवा केन्द्र के संचालक प्रवीन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें जो सेवा करने का जो अवसर प्रदान किया है, उसके लिए वे विवि प्रशासन के आभारी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. दिलीप पटेल, डॉ. प्रदीप चौहान, डॉ. अंकुश, डॉ. महेन्द्र, देवेन्द्र कुमार, सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

'पर्यटन ही उपलब्ध कराता है विभिन्न अवसर'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान, आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव सहित डा. मनोज माता, हमेश शर्मा व प्रवीन खिमटा ने भी विद्यार्थियों व प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो व्यक्ति पर्यटन नहीं करता, वह अपने जीवन को आधा ही जी पाता है। पर्यटन किसी भी व्यक्ति को जानने समझने के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराता है और विभाग में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

आनलाइन माध्यम से आयोजित इस ककार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता वर्ना यूनिवर्सिटी आफ मैनेजमेंट, बुल्गारिया में प्रोफेसर और वाइस रेक्टर, रिसर्च, प्रो. स्टानिस्लाव इवानोव ने अपने संबोधन में विश्व पर्यटन दिवस के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ विषयों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद, सभी हित धारकों को कुशल रणनीति विकसित करनी चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सके। इसी क्रम में समूह चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों के साथ

हकेंवि में सेमीनार को संबोधित करते वक्ता
● सौ. प्रवक्ता

संवाद किया। इस चर्चा में कार्यकारी सदस्य आइएटीओ और ओरिएंटल वेकेशन एंड जर्नी, नई दिल्ली के संस्थापक डा. मनोज माता, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ट्रैवल ट्रेंगल, नई दिल्ली के हमेश शर्मा व माइस प्रो. ट्रैवल सल्यूशंस, नई दिल्ली के प्रवीन खिमटा ने विद्यार्थियों के सवालों को जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। इसी क्रम में विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में एक्सप्लोर योर ओन बैकयार्ड, हेरिटेज वाक सरीखी गतिविधियों का भी आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए पर्यटन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डा. अनिल कुमार ने कार्यक्रम में द्वारा स्वागत भाषण दिया तथा विकास सिवाच ने धन्यवाद दिया।

हकेंवि में आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जरूरतों को देखते हुए आधार सेवा केंद्र की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन के विश्वविद्यालय के सहभागियों को परिसर में ही विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आधार सेवा केंद्र के संचालक प्रवीन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें जो सेवा करने का जो अवसर प्रदान किया है, उसके लिए वे विश्वविद्यालय प्रशासन के आभारी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डा. दिलीप पटेल, डा. प्रदीप चौहान, डा. अंकुश, डा. महेंद्र, देवेंद्र कुमार, सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहें।

नई शिक्षा नीति में संस्कृत भाषा को दिया है महत्वपूर्ण स्थान

- संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित
- हिमाचल प्रदेश में द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का हो रहा अध्ययन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहायक आचार्य डा. दिनेश कुमार शास्त्री उपस्थित रहे। व्याख्यान का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संस्कृत हमारे प्राचीन गौरव की पहचान होने के साथ-साथ हमारे वर्तमान समाज के लिए भी अत्यंत उपयोगी भाषा है। सभी भारतीयों को अपना कर्तव्य समझकर इस भाषा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए ताकि वर्तमान पीढ़ी भी इससे लाभान्वित हो सके।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. दिनेश कुमार शास्त्री ने नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में संस्कृत भाषा की अनिवार्यता विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि संस्कृत प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है तथा सर्वजन प्रिय होने के साथ सरल एवं आनंददायक भाषा है। हिमाचल प्रदेश में द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का अनिवार्य रूप से अध्ययन करवाया जा रहा है। संस्कृत भाषा को चिरस्थायी बनाने के लिए संस्कृत माध्यम से पढ़ाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा में ही भारतीय ज्ञान परंपरा का समस्त वैभव सुरक्षित है, इसलिए नई शिक्षा नीति में संस्कृत को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों एवं देश-भक्ति की शिक्षा देने के लिए संस्कृत का अध्ययन-अध्यापन आवश्यक है।

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डा. सुमन रानी ने किया तथा विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र सिंह राजपूत ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

संस्कृत भाषा का प्रचार करना चाहिएः टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

वहीं मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संस्कृत हमारे प्राचीन गौरव की पहचान होने के साथ-साथ हमारे वर्तमान समाज के लिए भी अत्यंत उपयोगी भाषा है। सभी भारतीयों को अपना कर्तव्य समझकर इस भाषा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए ताकि वर्तमान पीढ़ी भी इससे लाभान्वित हो सके।

डॉ. दिनेश कुमार शास्त्री ने बताया कि संस्कृत प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है तथा सर्वजनप्रिय होने के साथ सरल एवं आनंददायक भाषा है। हिमाचल प्रदेश को में द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का अनिवार्य रूप से अध्ययन करवाया जा रहा है। संस्कृत भाषा को चिरस्थाई बनाने के लिए संस्कृत माध्यम से पढ़ाया जाना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों एवं देश-भक्ति की शिक्षा देने के लिए संस्कृत का अध्ययन-अध्यापन आवश्यक है। स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ह.के.वि. में संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 27 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ में संस्कृत विभाग के तत्वावधान में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहायक आचार्य डा. दिनेश कुमार शास्त्री उपस्थित रहे।

व्याख्यान का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संस्कृत हमारे प्राचीन गौरव की पहचान होने के साथ-साथ हमारे वर्तमान समाज के लिए भी अत्यंत उपयोगी भाषा है।

सभी भारतीयों को अपना कर्त्तव्य समझकर इस भाषा का प्रचार-प्रसार करना चाहिए ताकि वर्तमान पीढ़ी भी इससे लाभान्वित हो सके।

ह.के.वि. में आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता व शिक्षक।

डा. दिनेश कुमार शास्त्री ने नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में संस्कृत भाषा की अनिवार्यता विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि संस्कृत प्राचीन होते हुए भी आधुनिक है तथा सर्वजन प्रिय होने के साथ सरल एवं आनंददायक भाषा है। हिमाचल प्रदेश में द्वितीय राजभाषा के रूप में संस्कृत का अनिवार्य रूप से अध्ययन करवाया जा रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग की प्रभारी डा. सुमन रानी ने किया तथा विभाग के सहायक आचार्य डा. देवेंद्र सिंह राजपूत ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के अंत में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के निदेशक प्रो. रणबीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।

ह.के.वि. में हुई आधार सेवा केंद्र की शुरूआत

महेंद्रगढ़, 27 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया। कुलपति ने कहा कि आधार कार्ड एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जरूरतों को देखते हुए आधार सेवा केन्द्र की शुरूआत की गई है।

आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सहभागियों को परिसर में ही विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सेवा केन्द्र के संचालक प्रवीन कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन्हें जो सेवा करने का अवसर प्रदान किया है, उसके लिए वे विश्वविद्यालय प्रशासन के आभारी हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. दिनेश चहल, डा. दिलीप पटेल, डा. प्रदीप चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं : प्रो. टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी इस क्षेत्र की बारीकियों से रूबरू होंगे। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया के बारे में बताया।

विवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाली कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग क्षेत्र की बारीकियों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला में संजय जैन, टिंकू शर्मा, अनीश गुप्ता, मोहित सैनी और सोनपाल सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में प्रो. अंजन कुमार को स्मृति चिह्न देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

विद्यार्थी सीखेंगे रेडियो प्रसारण की बारीकियां

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों में रेडियो प्रसारण में कौशल विकसित करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 29 व 30 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। पहले सत्र में लोक प्रसारण के महत्व व उसकी चुनौतियों पर चर्चा होगी। इस सत्र में आल इंडिया रेडियो के पूर्व सहायक निदेशक व मन की बात कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ रेडियो प्रसारक जैनेंद्र सिंह विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे। दूसरे सत्र में विद्यार्थियों में पोडकास्टिंग स्किल पर चर्चा होगी। कार्यशाला के दूसरे दिन जामिया मिलिया दिल्ली से प्रो. सुरेश वर्मा रेडियो प्रसारण में ध्वनि के महत्व पर चर्चा करेंगे। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी मीडिया उद्योग की मांग के अनुसार उनमें कौशल हो इसे ध्यान में रखकर विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. नीरज ने बताया कि कार्यशाला में अंतिम सत्र सामुदायिक रेडियो प्रसारण पर रखा गया है। इस सत्र को अरावली रेडियो नारनौल के अध्यक्ष संत कुमार संबोधित करेंगे।

ड्रेस पर टिप्पणी के विरोध में छात्राओं ने किया प्रदर्शन

हकेंविवि : महिला हॉस्टल की वार्डेन पर लगाए गंभीर आरोप

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्राओं ने एक हॉस्टल वार्डेन पर छात्राओं के ड्रेस पर टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

विश्वविद्यालय के हॉस्टल व ब्लॉक नंबर 3 के बाहर धरना- प्रदर्शन करने वाली छात्राओं ने विवि प्रशासन से मांग की कि महिला वॉर्डन ने उनकी ड्रेस को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। वहीं धरने पर बैठी छात्राओं ने महिला वार्डेन की टिप्पणी को छोटी सोच करार दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं के साथ बातचीत के लिए एक कमेटी का गठन किया। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि हॉस्टल वार्डेन ने उनके आदेश नहीं मानने पर उन्हें हॉस्टल से बाहर निकाल देने की भी धमकी दी है।

हकेंवि में हंगामा कर रहे विद्यार्थियों को समझाते अधिकारी। संवाद

छात्राओं के विरोध प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उच्चाधिकारियों ने पहुंचकर छात्राओं को समझा बुझाकर मामला शांत करा दिया। वहीं विवि प्रशासन के अधिकारी भी इस मामले में किसी भी प्रकार की जानकारी देने से बचते रहे। छात्राओं ने कहा कि वार्डन द्वारा उनके कपड़ों को लेकर की गई टिप्पणी गलत है। छात्राएं वार्डन द्वारा माफी मांगने पर अड़ी रहीं। इसके बार अनेक छात्र भी छात्राओं के पक्ष में आकर विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो गए।

प्रिंटिंग व पैकेजिंग के क्षेत्र में भविष्य की अपार संभावनाएं : प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. अंजन कुमार बराल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रिंटिंग व पैकेजिंग को रोजगार की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बताया और कहा कि इसमें उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग क्षेत्र की बारीकियों से अवगत करवाएंगे।

'प्रिंटिंग व पैकेजिंग में रोजगार की हैं अपार संभावनाएं'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान विषय पर आधारित कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रिंटिंग व पैकेजिंग को रोजगार की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बताया और कहा कि इसमें उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

प्रो. अंजन कुमार बराल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। प्रवक्ता।

कुलपति ने कहा कि अवश्य ही कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र की बारीकियों से रूबरू होंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्रमेंगुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग क्षेत्र की बारीकियों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला में सजय जैन, टिंकू शर्मा, अनीश गुप्ता, मोहित सैनी और सोनपाल सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम के समन्वयक विभाग के सहायक आचार्य तरूण सिंह, शम्मी मेहरा हैं जबकि आयोजन समिति में विभाग प्रभारी संदीप बूरा मौजूद रहे।

हकेवि में पांच दिवसीय कार्यशाला

■ प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान पर आयोजित

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में अतिथि का सम्मान करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान विषय पर आधारित कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रिंटिंग व पैकेजिंग को रोजगार की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बताया और कहा कि इसमें उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र की बारीकियों से रूबरू होंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विशिष्ठ अतिथि गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितंबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को टिप्स देंगे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान विषय पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 28 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रिंटिंग व पैकेजिंग को रोजगार की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र बताया और कहा कि इसमें उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र की बारीकियों से रू-ब-रू होंगे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसाइक्लिंग, रिसाइक्लिंग तथा डाऊनसाइक्लिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि 30 सितम्बर तक चलने वाली इस कार्यशाला में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रिंटिंग व पैकेजिंग क्षेत्र की बारीकियों से अवगत करवाएंगे। कार्यशाला में संजय जैन, टिंकू शर्मा, अनीश गुप्ता, मोहित सैनी और सोनपाल सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए हैं।

कार्यक्रम के समन्वयक विभाग के सहायक आचार्य तरुण सिंह, शम्मी मेहरा हैं जबकि आयोजन समिति में विभाग प्रभारी संदीप बूरा सहित अनिल कुंडू व निशान सिंह सम्मिलित हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. अंजन कुमार बराल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेंवि में रेडियो प्रसारण कौशल विकसित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़ (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग विद्यार्थियों में रेडियो प्रसारण में कौशल विकसित करने के उद्देश्य से 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को रेडियो प्रसारण की बारीकियों से अवगत करवाया जाएगा।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने व विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बेहतरीन प्रस्तुतकर्ता बनाने के उद्देश्य से 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि 29 व 30 सितम्बर को आयोजित होने वाली इस कार्यशाला को कुल 7 सत्रों में विभाजित किया गया है।